PRODUCT INDEX

INDEX

1. MARGDARSHIKA
2. THEORY NOTES
3. UNIT WISE MCQ
4. AMRIUT BOOKLET
5. PYQ
6. TREND ANALYSIS
7. TOPPERS TOOL KIT (TTK)
8. MODEL PAPER

CLICK HERE TO GET

sample Notes/
Expert Guidance/Courier Facility Available

Download PROFESSORS ADDA APP

+91 7690022111+91 9216228788

PROFESSORS ADDA

Trusted By Toppers

GET BEST SELLER HARD COPY NOTES

PROFESSORS ADDA

CLICK HERE TO GET

+91 7690022111 +91 9216228788

PROFESSORS ADDA 2025

One Stop Solution for NET / JRF / A. Professor / CUET

PROFESSORS ADDA मार्गदर्शिका बुकलेट
UPDATED 2025 संस्करण

मार्गदर्शिका बुकलेट यह क्या है,

क्यो पढ़े इसे ?

- यह UGC NET के विशाल और जटिल पाठ्यक्रम को सरल बनाने वाला एक सुनियोजित रोडमैप है। यह एक गुरु के द्वारा SUBJECT मे success मार्ग को दिखाने की तरह है। आपको किसी पर निर्भर होने की जरूरत नही है ।
- इसका मुख्य लक्ष्य "क्या पढ़ें, कहाँ से शुरू करें, और कितना गहरा पढ़ें" जैसे सवालों का स्पष्ट समाधान देना है। Focus पॉइंट्स को समझाया गया है
- यह आपकी तैयारी को छोटे (manageable) हिस्सों में बाँटकर एक व्यवस्थित दिशा देती है। आजकल परीक्षा का क्या नया ट्रेंड है, वह बताती है

यह किसके लिए है?

- UGC NET, PGT,Asst Professor) की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए उपयोगी है
- जो घर पर तैयारी कर रहे है, जो वर्किंग है, जिन्हे उचित Guidance नहीं मिल रहा है, जो वीडियो नही देखना चाहते है, उनके लिए बेहद उपयोगी है । उनके लिए One stop solution है

मुख्य विशेषताएँ और लाभ

- **लाभ :** विषय की महत्वपूर्ण अवधारणाओं, सिद्धांतों और उदाहरणों को स्पष्ट करती है।
- **समय की बचत:** आपको अनावश्यक जानकारी से बचाकर सही दिशा दिखाती है। 100% exam oriented है
- **संपूर्ण कवरेज:** सुनिश्चित करती है कि पाठ्यक्रम का कोई भी महत्वपूर्ण हिस्सा न छूटे।
- **आत्मविश्वास में वृद्धि:** एक स्पष्ट योजना होने से तैयारी को लेकर घबराहट कम होती है।

इसका सर्वोत्तम उपयोग कैसे करें?

- Most important को जरूर याद करे
- गाइड में दिए गए क्रम का पालन करें।
- प्रत्येक टॉपिक की बुनियादी बातों पर मज़बूत पकड़ बनाएं।
- पढ़ते समय ProfessorsAdda Booklets मे उन टॉपिक पर अवश्य फोकस करे
- विभिन्न अवधारणाओं के बीच संबंध स्थापित करने का प्रयास करें।
- गाइड को आधार बनाकर MCQ अभ्यास प्रश्न और पुराने प्रश्नपत्र हल करें। ProfessorsAdda MCQ + PYQ booklet मे यह सब दिया गया है जो की सम्पूर्ण, गुणवत्ता सहित updated है
- यह आपके व्यक्तिगत मार्गदर्शक (personal guide) की तरह काम करती है।

यूनिट-1 का अध्ययन कैसे करें

यह इकाई शिक्षा के मूलभूत पहलुओं, विभिन्न दार्शनिक स्कूलों (भारतीय और पश्चिमी दोनों), सामाजिक परिवर्तन के सिद्धांतों और शिक्षा के साथ उनके संबंधों पर केंद्रित है। प्रभावी ढंग से अध्ययन करने के लिए, प्रत्येक अवधारणा को गहराई से समझना और विभिन्न सिद्धांतों और विचारकों के बीच संबंधों और मतभेदों को जानना महत्वपूर्ण है।

यहां प्रमुख विषय और उनका अध्ययन करने का तरीका बताया गया है:

1. **शिक्षा का अर्थ, प्रकृति और उद्देश्य:**
   - **यह क्या है:** शिक्षा की प्रक्रिया की परिभाषा, व्युत्पत्ति और विभिन्न पहलू। शिक्षा के व्यक्तिगत और सामाजिक उद्देश्य।
   - **कैसे अध्ययन करें:** शिक्षा के विभिन्न लैटिन और संस्कृत व्युत्पत्ति संबंधी अर्थों (' एजुकेयर ', ' एड्यूसेरे ', ' शिक्षा ', ' विद्या ') को समझें। महात्मा गांधी, टैगोर, विवेकानंद, अरस्तू, रूसो, जॉन डेवी आदि जैसे विभिन्न शिक्षाविदों द्वारा दी गई परिभाषाओं को पढ़ें और समझें। शिक्षा की प्रकृति का वर्णन करने वाले विभिन्न बिंदुओं पर ध्यान दें (जैसे, आजीवन प्रक्रिया, व्यवस्थित प्रक्रिया, व्यवहार में संशोधन)। शिक्षा के व्यक्तिगत और सामाजिक उद्देश्यों के बीच अंतर और संश्लेषण को समझें, और उनके समर्थकों और आलोचकों को जानें।

2. **भारतीय दार्शनिक स्कूल:**
   - **यह क्या है:** भारतीय दर्शन के विभिन्न स्कूल, जिन्हें वेदों की प्रामाणिकता की मान्यता के आधार पर रूढ़िवादी (आस्तिक) और विषम (नास्तिक) के रूप में वर्गीकृत किया गया है। इसमें सांख्य , योग, न्याय , वैशेषिक , पूर्वा जैसे स्कूल शामिल हैं। मीमांसा , उत्तर मीमांसा (वेदांत), चार्वाक , बौद्ध धर्म और जैन धर्म।
   - **अध्ययन कैसे करें:** रूढ़िवादी और विधर्मी स्कूलों (वेदों के अधिकार) के बीच मौलिक अंतर को समझें।
     - **रूढ़िवादी स्कूल:** प्रत्येक स्कूल के संस्थापक और मुख्य दार्शनिक सिद्धांतों को जानें (

सांख्य , योग, न्याय , वैशेषिक , पूर्व)। मीमांसा , वेदांत)। वेदांत की विभिन्न उप-शाखाओं (अद्वैत , विशिष्टाद्वैत , द्वैत , आदि) और उनके समर्थकों को जानें। इन विद्यालयों के शैक्षिक निहितार्थों पर ध्यान दें (जैसे, सांख्य के शैक्षिक निहितार्थ , शिक्षा में योग, शिक्षा में वेदांत)।

- **विषमपंथी स्कूलः** चार्वाक (भौतिकवाद), बौद्ध धर्म (चार आर्य सत्य, अष्टांगिक मार्ग, निर्वाण) और जैन धर्म (त्रिरत्न , पाँच महान व्रत, कैवल्य) के मुख्य सिद्धांतों को जानें । बौद्ध और जैन दर्शन के शैक्षिक निहितार्थों पर ध्यान दें (जैसे, बौद्ध शिक्षा के उद्देश्य, सिद्धांत, तरीके, जैन शिक्षा के उद्देश्य)।

3. **पश्चिमी दार्शनिक स्कूलः**
   - **यह क्या हैः** पश्चिमी दर्शन के विभिन्न स्कूल, जैसे आदर्शवाद, यथार्थवाद, प्रकृतिवाद, व्यावहारिकता और अस्तित्ववाद।
   - **अध्ययन कैसे करेंः प्रत्येक स्कूल (आदर्शवाद, यथार्थवाद, प्रकृतिवाद, व्यावहारिकता,** अस्तित्ववाद) के संस्थापकों/मुख्य समर्थकों और मुख्य दार्शनिक सिद्धांतों के बारे में जानें । इन स्कूलों के शैक्षिक निहितार्थों पर ध्यान दें (जैसे, शिक्षा में आदर्शवाद, शिक्षा में यथार्थवाद, शिक्षा में प्रकृतिवाद, शिक्षा में व्यावहारिकता, शिक्षा में अस्तित्ववाद)। शिक्षा के उद्देश्यों, पाठ्यक्रम, शिक्षण विधियों, शिक्षक की भूमिका और अनुशासन के बारे में प्रत्येक स्कूल के विचारों की तुलना करें।

PROFESSORS ADDA

Trusted By Toppers

BOOK YOUR HARD COPY COMPLETE STUDY PACKAGE

Hurry! Limited copies remaining—get yours before they're gone.

NEW PRODUCT

- 10 Unit Theory Notes
- Unit Wise MCQ Bank
- Latest PYQ
- Model Papers
- One Liner Quick Revision Notes
- Premium Group Membership

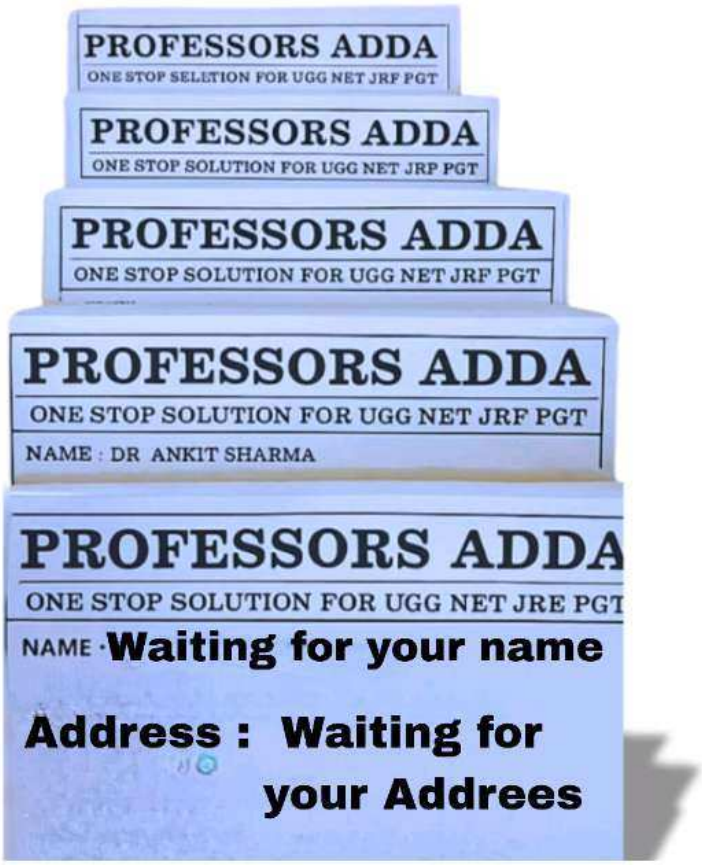

FREE sample Notes/
Expert Guidance /Courier Facility Available

Download PROFESSORS ADDA APP

91-76900-22111

2025 Latest Edition

e-Booklet

Subect EDUCATION

Professors Adda

Updated as per NEW UGC trend

Highly Useful for UGC NET JRF / SET / PG (CUET (PG) Asst Professor

All Subject's Complete Study Material KIT available.
Professor Adda Call WhatsApp Now 7690022111 / 9216228788

BOOKLET NOTES

FEATURES

- संपूर्ण सिलेबस का कवरेज – सभी यूनिट्स और टॉपिक के साथ गहराई से विश्लेषण
- 10 यूनिट्स – टॉपर्स और विषय विशेषज्ञ प्रोफेसरों द्वारा व्यवस्थित रूप से तैयार की गईं
- हर टॉपिक के साथ जरूरी शब्दावली, मूल अवधारणाएं और प्रमुख विचारकों की समझ
- 2025 के नवीनतम पैटर्न पर आधारित अपडेटेड संस्करण
- तेज़ दोहराव के लिए फ्लोचार्ट, माइंड मैप्स और सारणीबद्ध प्रस्तुति
- रंग-बिरंगे, आकर्षक और बिंदुवार नोट्स – पढ़ने में आसान, समझने में तेज़

BENEFITS

- कंसेप्ट क्लियरिटी के साथ लंबे समय तक याद रहने वाली स्मार्ट रणनीति
- समय और पैसे – दोनों की बचत
- नोट्स खुद बनाने की झंझट खत्म
- पर्सनल मेंटरशिप का लाभ – गाइडेंस हर स्टेप पर
- 1 साल की प्रीमियम ग्रुप मेंबरशिप के साथ लगातार सपोर्ट
- 100% रिजल्ट ओरिएंटेड – वन स्टॉप सॉल्यूशन

PROFESSORS ADDA

sample Notes/
Expert Guidance/Courier Facility Available

Download PROFESSORS ADDA APP

+91 7690022111 +91 9216228788

E-BOOKLET INDEX

INDEX

1. UNIT WISE THEORY NOTES WITH EXAM FACT
2. ONELINERS AMRIUT FACT
3. MCQ BNAK WITH DETAIL EXPLANATION

PROFESSORS ADDA

CLICK HERE TO GET

sample Notes/
Expert Guidance/Courier Facility Available

Download PROFESSORS ADDA APP

+91 7690022111 +91 9216228788

शिक्षाशास्त्र - इकाई 1 SAMPLE

अध्याय 1: शैक्षिक अध्ययन

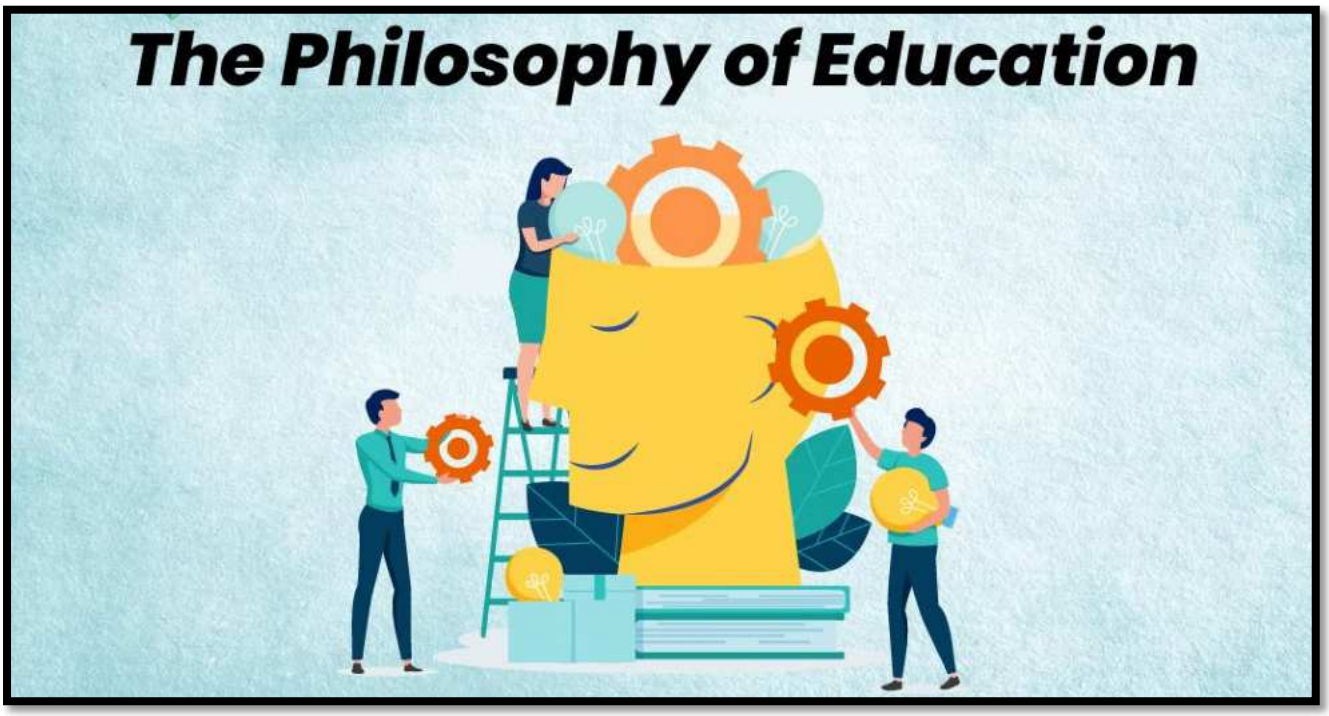

1.1 शिक्षा का अर्थ, प्रकृति और उद्देश्य

- **व्यवस्थित एवं आजीवन:** यह एक संगठित एवं सतत प्रक्रिया है जो व्यक्ति के सम्पूर्ण जीवन काल तक चलती है।
- **मूल तत्वों का अधिग्रहण:** यह वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से एक व्यक्ति प्राप्त करता है:
  - ज्ञान
  - कौशल
  - मान
  - रुख

- **समग्र व्यक्तिगत विकास:** इसका उद्देश्य व्यक्ति के सामंजस्यपूर्ण विकास करना है:
  - शारीरिक क्षमताएं
  - मानसिक योग्यता
  - नैतिक क्षमताएं
  - सामाजिक संकाय
- **दोहरे उद्देश्य वाला बल:** यह एक शक्तिशाली इंजन के रूप में कार्य करता है:
  - व्यक्तिगत और वैयक्तिक विकास
  - व्यापक सामाजिक प्रगति

व्युत्पत्तिमूलक अर्थ:

- **लैटिन:**
  - शिक्षित करना : बाहर लाना या पोषण करना।
  - एड्यूसेरे : बाहर ले जाना या बाहर निकालना।
  - एजुकेटम : शिक्षण या प्रशिक्षण का कार्य।
- **संस्कृत:**
  - शिक्षा (' शस ' से): अनुशासन, नियंत्रण, निर्देश देना।
  - विद्या (' विद ' से): जानना।

प्रमुख विचारकों द्वारा परिभाषाएँ:

सोचने वाला	शिक्षा की परिभाषा
महात्मा गांधी	"शिक्षा से मेरा तात्पर्य मनुष्य के शरीर, मन

सभी विषयों की सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री किट उपलब्ध है।
प्रोफेसर अड्डा अभी व्हाट्सएप पर कॉल करें 7690022111 / 9216228788

	और आत्मा के सर्वोत्तम गुणों को सामने लाना है।"
स्वामी विवेकानंद	"शिक्षा मनुष्य में पहले से विद्यमान दिव्य पूर्णता की अभिव्यक्ति है।"
रवीन्द्रनाथ टैगोर	"शिक्षा मन को परम सत्य का पता लगाने में सक्षम बनाती है, जो हमें आंतरिक प्रकाश और प्रेम की संपदा प्रदान करती है तथा जीवन को सार्थकता प्रदान करती है।"
जॉन डूई	"शिक्षा अनुभवों के निरंतर पुनर्निर्माण के माध्यम से जीवन जीने की प्रक्रिया है।"
अरस्तू	"शिक्षा स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का निर्माण है।"

शिक्षा की प्रकृतिः

विशेषता	विवरण
आजीवन प्रक्रिया	शिक्षा जन्म से शुरू होती है और मृत्यु तक जारी रहती है, तथा जीवन के विभिन्न चरणों के अनुकूल होती है।
व्यवस्थित प्रक्रिया	यह एक संरचित प्रक्रिया है जिसके उद्देश्य और पाठ्यक्रम निर्धारित हैं।
विकास संबंधी	यह व्यक्ति की जन्मजात क्षमताओं के विकास

PROFESSORS ADDA 2025

One Stop Solution for NET / JRF / A. Professor / CUET

	को बढ़ावा देता है और सामाजिक प्रगति में योगदान देता है।
व्यवहार में परिवर्तन	शिक्षा सहज प्रवृत्ति को परिष्कृत करती है और व्यवहार को सामाजिक रूप से वांछनीय दिशा में परिवर्तित करती है।
गतिशील और उद्देश्यपूर्ण	यह स्थिर नहीं है; यह बदलते समाज की आवश्यकताओं के अनुरूप ढल जाता है तथा लक्ष्य-उन्मुख होता है।
द्विध्रुवी और त्रिध्रुवी	एडम्स ने इसे शिक्षक और छात्र के बीच द्विध्रुवीय प्रक्रिया के रूप में देखा। डेवी ने समाज को जोड़कर इसे त्रिध्रुवीय प्रक्रिया (शिक्षक, छात्र, समाज) बना दिया।

PAID STUDENTS BENEFITS

- ✓ Access to PYQs of the Upcoming 1 year Exams
- ✓ Entry into Quiz Group + Premium Materials
- ✓ 20% Discount on Future Purchases /For Referring a Friend
- ✓ Access to Current Affairs + Premium Study Group

NOTE: Please share your Fee Receipt or Payment Screenshot for activation.

Click here to join

Call us/whatapp +91 7690022111 +91 9216228788

शिक्षा के उद्देश्य: व्यक्तिगत बनाम सामाजिक

सभी विषयों की सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री किट उपलब्ध है।
प्रोफेसर अड्डा अभी व्हाट्सएप पर कॉल करें 7690022111 / 9216228788

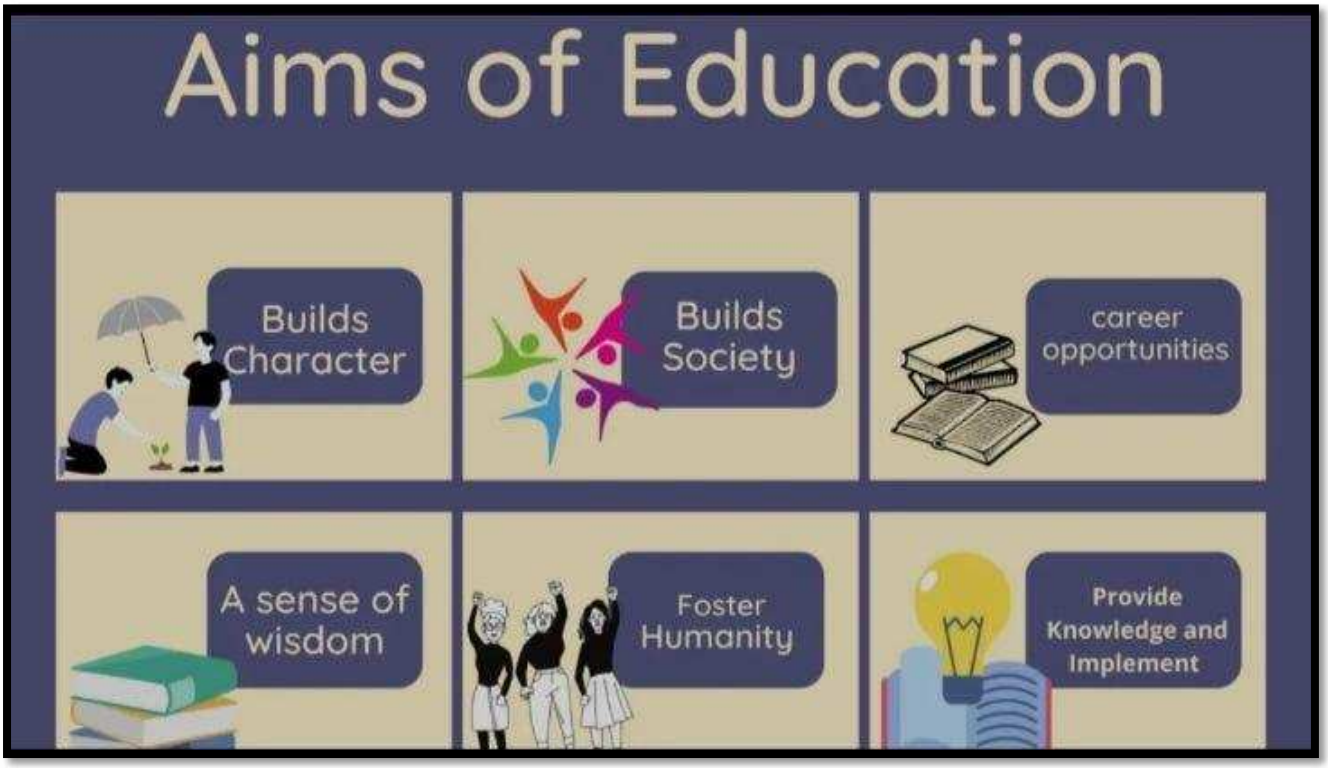

शिक्षा के दो प्राथमिक, प्रायः परस्पर विरोधी, उद्देश्य होते हैं: व्यक्ति का विकास और समाज की सेवा।

तालिका 1.1: शिक्षा के व्यक्तिगत और सामाजिक उद्देश्यों की तुलना

पहलू	शिक्षा के व्यक्तिगत उद्देश्य	शिक्षा के सामाजिक उद्देश्य
प्राथमिक फोकस	व्यक्ति की क्षमता, व्यक्तित्व और विशिष्टता का विकास।	समाज के उपयोगी सदस्य के रूप में व्यक्ति का विकास; सामाजिक प्रगति और कल्याण।
मुख्य लक्ष्य	आत्म-साक्षात्कार,	सामाजिक दक्षता,

OUR ALL PRODUCTS

NEW PRODUCT

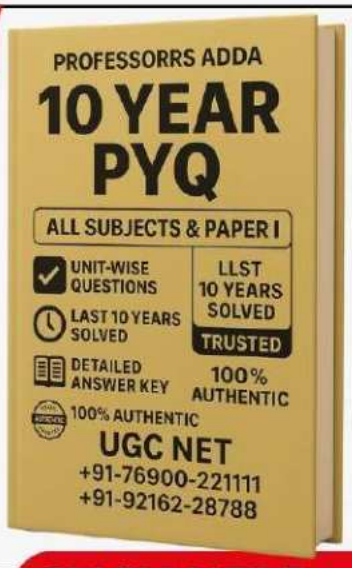

CLICK HERE

NEW PRODUCT

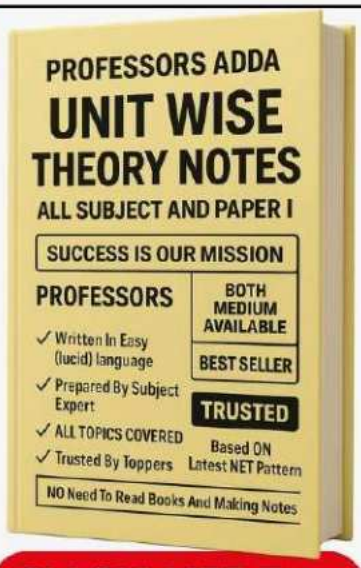

CLICK HERE

NEW PRODUCT

CLICK HERE

NEW PRODUCT

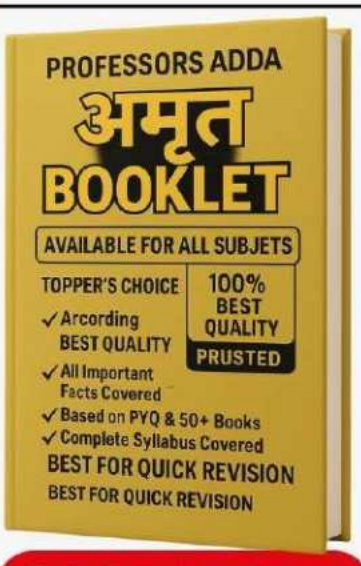

CLICK HERE

NEW PRODUCT

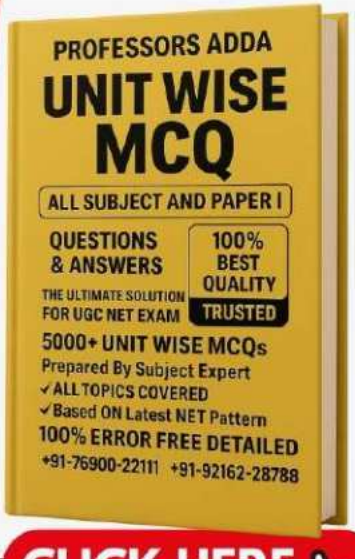

CLICK HERE

NEW PRODUCT

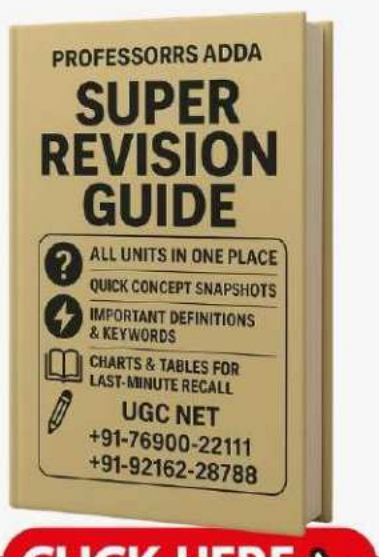

CLICK HERE

+91 7690022111+91 9216228788

	व्यक्तिगत विकास, स्वायत्तता।	अच्छी नागरिकता, राष्ट्रीय एकता, आर्थिक उत्पादकता।
पाठ्यक्रम	आत्म-अभिव्यक्ति, रचनात्मकता, कला और मानविकी को बढ़ावा देने वाले विषयों पर जोर दिया जाता है।	सामाजिक कौशल, व्यावसायिक प्रशिक्षण, नागरिक शास्त्र और STEM को बढ़ावा देने वाले विषयों पर जोर दिया जाता है।
शिक्षार्थी का दृष्टिकोण	अपने आप में एक अंत.	सामाजिक लक्ष्यों को प्राप्त करने का एक साधन.
समर्थकों का	प्रकृतिवादी (रूसो), अस्तित्ववादी।	व्यवहारवादी (ड्यूई, जो संतुलन चाहते थे), समाजवादी।
आलोचना	इससे स्वार्थपरता और सामाजिक कर्तव्यों की उपेक्षा हो सकती है।	यह वैयक्तिकता को दबा सकता है और अनुरूपता की ओर ले जा सकता है।

संश्लेषण:

- **अन्योन्याश्रितता महत्वपूर्ण है:** एक संतुलित शैक्षिक दर्शन व्यक्ति और समाज को परस्पर निर्भर मानता है।
- **विकास के लिए सामाजिक संदर्भ:** व्यक्ति समाज के ढांचे और प्रभाव के अंतर्गत विकसित और बढ़ता है।
- **प्रगति में व्यक्तिगत योगदान:** समाज अपने शिक्षित और सुविकसित सदस्यों के कौशल और योगदान के माध्यम से आगे बढ़ता है।
- अंतिम लक्ष्य: **सच्ची शिक्षा का उद्देश्य एक "सामाजिक सोच वाले व्यक्ति" का निर्माण करना है - जो व्यक्तिगत रूप से विकसित हो, लेकिन साथ ही अपने समुदाय की भलाई और प्रगति के प्रति भी उन्मुख हो।**

यूजीसी नेट परीक्षा आधारित तथ्य

1. **जॉन डेवी ने** शिक्षा को "अनुभव के निरंतर पुनर्निर्माण" के रूप में परिभाषित किया।
2. **'पेडागॉजी'** शब्द की उत्पत्ति ग्रीक भाषा से हुई है और इसका तात्पर्य शिक्षण की विधि और अभ्यास से है।
3. **जॉन एडम्स ने** शिक्षा को एक **'द्विध्रुवीय' प्रक्रिया बताया है** , जिसमें शिक्षक और शिष्य के बीच अंत:क्रिया शामिल होती है।
4. **जॉन डेवी ने** शिक्षा की अवधारणा को एक **' त्रिध्रुवीय ' प्रक्रिया के रूप में विस्तारित किया** , जिसमें शिक्षक, छात्र और सामाजिक वातावरण शामिल थे।
5. **सर पर्सी नन शिक्षा के व्यक्तिगत उद्देश्य** के प्रमुख समर्थक थे , जो

व्यक्तित्व के विकास पर जोर देते थे।

6. सामाजिक **उद्देश्य** राज्य या समाज की आवश्यकताओं को प्राथमिकता देता है, तथा कुशल नागरिकों का निर्माण करना इसका लक्ष्य है।
7. **रूसो का** प्रकृतिवाद का दर्शन शिक्षा के व्यक्तिगत उद्देश्य को प्रबल समर्थन प्रदान करता है।
8. लैटिन मूल शब्द ' **एजुकेरे** ' का अर्थ है 'पोषण करना' या 'पालन करना'।
9. लैटिन मूल ' **एड्यूसेरे** ' का अर्थ है 'बाहर ले जाना' या 'बाहर निकालना'।
10. **स्वामी विवेकानंद ने** शिक्षा को "मनुष्य में पहले से ही विद्यमान पूर्णता की अभिव्यक्ति" के रूप में देखा।
11. **पेस्टालोज़ी ने** शिक्षा को "मनुष्य की जन्मजात शक्तियों का स्वाभाविक, सामंजस्यपूर्ण और प्रगतिशील विकास" के रूप में परिभाषित किया।
12. शैक्षिक उद्देश्यों का सर्वाधिक स्वीकृत संश्लेषण सामाजिक संदर्भ में एक **'मूल्यवान व्यक्तित्व' का विकास है।**
13. **इंदिरा गांधी ने** शिक्षा को आधुनिक युग में 'मुक्तिदायक' और 'लोकतांत्रिक' शक्ति बताया।
14. **'विकास'** के रूप में शिक्षा की अवधारणा जॉन डेवी के प्रयोजनवाद के दर्शन का एक केंद्रीय सिद्धांत है।
15. **व्यक्तिगत लक्ष्य के** विरुद्ध प्राथमिक आलोचना यह है कि यह अनियंत्रित अहंकार और स्वार्थ को बढ़ावा दे सकता है।
16. **सामाजिक उद्देश्य** के विरुद्ध प्राथमिक आलोचना यह है कि इसमें वैयक्तिकता को दबाने तथा कठोर अनुरूपता को बढ़ावा देने की क्षमता है।
17. संस्कृत शब्द ' **विद्या** ' मूल धातु ' विद ' से बना है, जिसका अर्थ है

'जानना'।

18. संस्कृत शब्द ' **शिक्षा** ' मूल धातु ' शस् ' से बना है, जिसका अर्थ है 'अनुशासन करना' या 'नियंत्रण करना'।

19. **प्लेटो ने** शिक्षा की आदर्शवादी परिभाषा देते हुए कहा कि यह "सही समय पर सुख और दुख को महसूस करने की क्षमता" है।

20. एक संतुलित शैक्षिक दृष्टिकोण यह मानता है कि **व्यक्तित्व को** विकसित होने और अर्थ खोजने के लिए एक **सामाजिक माध्यम की आवश्यकता होती है।**

PAID STUDENTS BENEFITS

- ✓ Access to PYQs of the Upcoming 1 year Exams
- ✓ Entry into Quiz Group + Premium Materials
- ✓ 20% Discount on Future Purchases /For Referring a Friend
- ✓ Access to Current Affairs + Premium Study Group

NOTE: Please share your Fee Receipt or Payment Screenshot for activation.

Click here to join

Call us/whatapp +91 7690022111 +91 9216228788

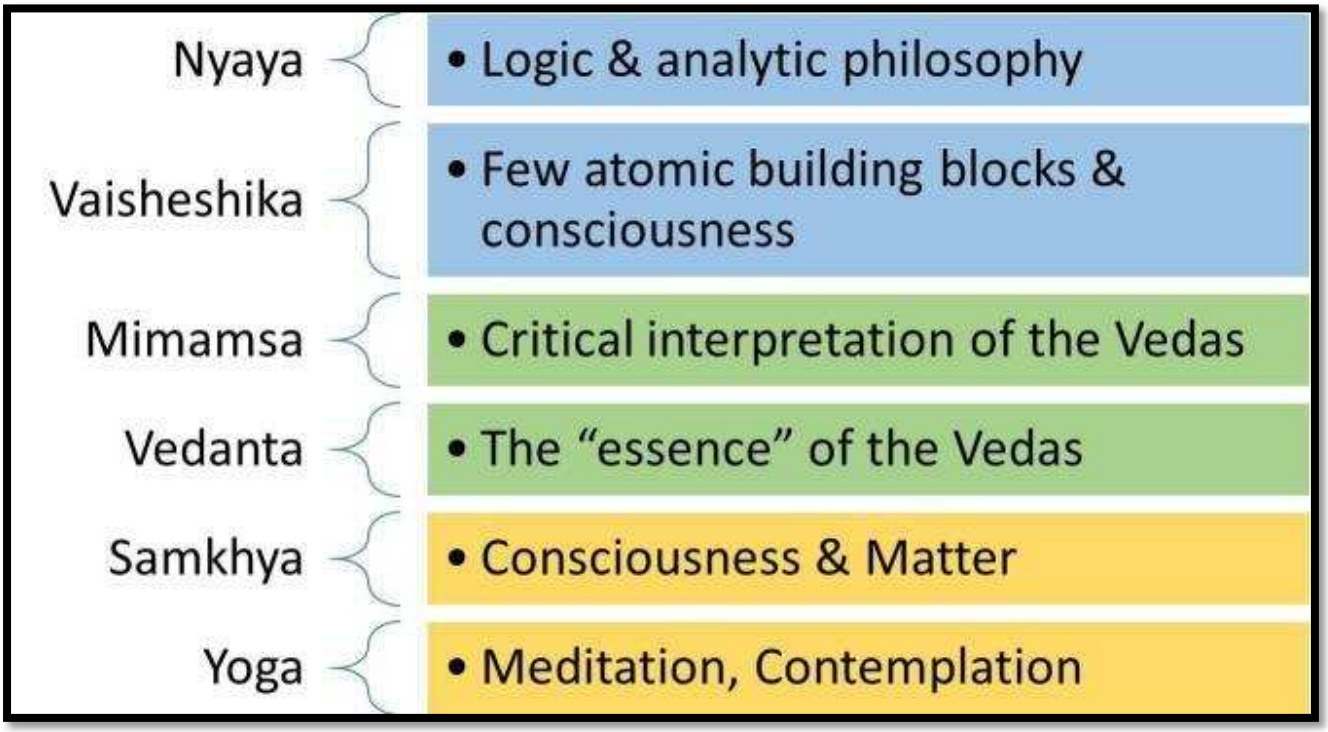

1.2 भारतीय दार्शनिक स्कूल

वेदों की प्रामाणिकता की स्वीकृति के आधार पर भारतीय दर्शन को मोटे तौर पर दो श्रेणियों में विभाजित किया गया है।

1. **रूढ़िवादी (आस्तिक):** वे स्कूल जो वेदों की प्रामाणिकता को स्वीकार करते हैं।
2. **नास्तिक :** वे संप्रदाय जो वेदों की प्रामाणिकता को स्वीकार नहीं करते ।

तालिका 1.2: भारतीय दार्शनिक स्कूलों का अवलोकन

वर्ग	विद्यालय	संस्थापक	मूल सिद्धांत और शैक्षिक निहितार्थ
रूढ़िवादी (	सांख्य	कपिला	सबसे पुराना

आस्तिक)			दर्शन; द्वैतवादी (पुरुष -आत्मा, प्रकृति -पदार्थ)। शिक्षा प्रकृति और पुरुष के बीच के अंतर का बोध है । इसका उद्देश्य व्यक्ति की क्षमता को उजागर करना है।
	योग	पतंजलि	अष्टांग योग) के माध्यम से मुक्ति का व्यावहारिक मार्ग । शिक्षा में मन और इंद्रियों को नियंत्रित करना शामिल है, जिससे आत्म-साक्षात्कार होता है।
	न्याय	गौतम	तर्क और ज्ञानमीमांसा का स्कूल। कारण,

			तर्क और वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर जोर देता है। शिक्षा में आलोचनात्मक सोच और तर्क विकसित होना चाहिए।
	वैशेषिक	कनाडा	एक परमाणुवादी दर्शन; भौतिक जगत की प्रकृति की व्याख्या करता है। न्याय दर्शन का पूरक है।
	पूर्वा मीमांसा	जैमिनी	वेदों के कर्मकाण्डीय पहलुओं (कर्मकाण्ड) और यज्ञों के प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित करता है ।
	वेदांत (उत्तर	बादरायण	उपनिषदों की

Professors Adda

PAID STUDENTS' BENEFITS

- Access to PYQs of the last 1 year
- Entry into Quiz Group + Premium Materials
- 20% Discount on Future Purchases / For Referring a Friend
- Access to Current Affairs + Premium Study Group

NOTE: Please share your *Fee Receipt* or Payment Screenshot for activation.

Call/Whapp 76900-22111, 9216228788

PROFESSORS ADDA 2025

One Stop Solution for NET / JRF / A. Professor / CUET

All Subject's Complete Study Material KIT available.

Professor Adda Call WhatsApp Now 7690022111 / 9216228788

	मीमांसा)		दार्शनिक शिक्षाओं (ज्ञान-कांड) पर ध्यान केंद्रित करता है। इसमें अद्वैत , विशिष्टाद्वैत और द्वैत जैसे उप-विद्यालय शामिल हैं । शिक्षा आत्म-साक्षात्कार और मुक्ति (मोक्ष) के लिए है।
विधर्मी (नास्तिक)	चार्वाक	बृहस्पति	भौतिकवादी विचारधारा। ज्ञान के एकमात्र स्रोत के रूप में प्रत्यक्ष अनुभूति में विश्वास करता है। परलोक और अलौकिकता को अस्वीकार करता है। आनंदमय जीवन को बढ़ावा

			देता है।
	बुद्ध धर्म	सिद्धार्थ गौतम	चार आर्य सत्यों और निर्वाण (दुख निवारण) प्राप्त करने के अष्टांगिक मार्ग पर आधारित शिक्षा का उद्देश्य नैतिक विकास, चरित्र की शुद्धता और ज्ञान प्राप्त करना है।
	जैन धर्म	महावीर (24वें तीर्थंकर)	तीन रत्नों (त्रि-रत्न) के माध्यम से मुक्ति (मोक्ष) का लक्ष्य : सही विश्वास, सही ज्ञान, सही आचरण। अहिंसा पर जोर दिया जाता है। शिक्षा आत्म-साक्षात्कार और आत्मा की

			पूर्णता के लिए है।

प्रमुख स्कूलों पर विस्तृत नजर

सांख्य दर्शन

सांख्य पुरुष (चेतना/आत्मा) और प्रकृति (पदार्थ/प्रकृति) की द्वैतवादी वास्तविकता का प्रस्ताव करता है। प्रकृति तीन गुणों (गुणों) से बनी है: सत्व (पवित्रता, प्रकाश), रजस (गतिशीलता, जुनून), और तमस् (जड़ता, अंधकार)। मुक्ति (कैवल्य) तब प्राप्त होती है जब पुरुष प्रकृति से अपने भेद को समझ लेता है।

- **शैक्षिक उद्देश्य:** व्यक्ति को पुरुष और प्रकृति के बीच भेद करने में सहायता करना , जिससे आत्म-ज्ञान और मुक्ति प्राप्त हो सके।
- **पाठ्यक्रम: प्राकृतिक विज्ञान (** प्रकृति को समझने के लिए), कला और भौतिक विज्ञान (योग) का अध्ययन।
- **विधि:** अनुभवात्मक शिक्षण, अवलोकन और तार्किक तर्क।

योग दर्शन

सांख्य के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए व्यावहारिक साधन प्रदान करता है। यह मन (चित्त) की क्रियाओं को नियंत्रित करने के लिए शारीरिक और मानसिक अनुशासन की एक विधि है। वृत्ति निरोधा)।

तालिका 1.3: योग का अष्टांगिक मार्ग (अष्टांग योग)

अवयव	संस्कृत नाम	अर्थ एवं विवरण
1	**यम**	परहेज़ (अहिंसा, सत्य , अस्तेय , ब्रह्मचर्य , अपरिग्रह)।
2	**नियम**	व्रत (पवित्रता, संतोष, तप, स्वाध्याय, ईश्वर के प्रति समर्पण)।
3	**आसन**	स्थिर और आरामदायक आसन.
4	**प्राणायाम**	सांस पर नियंत्रण.
5	**प्रत्याहार**	इन्द्रियों को बाह्य वस्तुओं से हटा लेना।
6	**धारणा**	एकाग्रता; मन को एक ही वस्तु पर स्थिर करना।
7	**ध्यान**	ध्यान; एकाग्रता का निर्बाध प्रवाह।
8	**समाधि**	अतिचेतन अवस्था; पूर्ण तल्लीनता एवं आत्मज्ञान।

सभी विषयों की सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री किट उपलब्ध है।
प्रोफेसर अड्डा अभी व्हाट्सएप पर कॉल करें 7690022111 / 9216228788

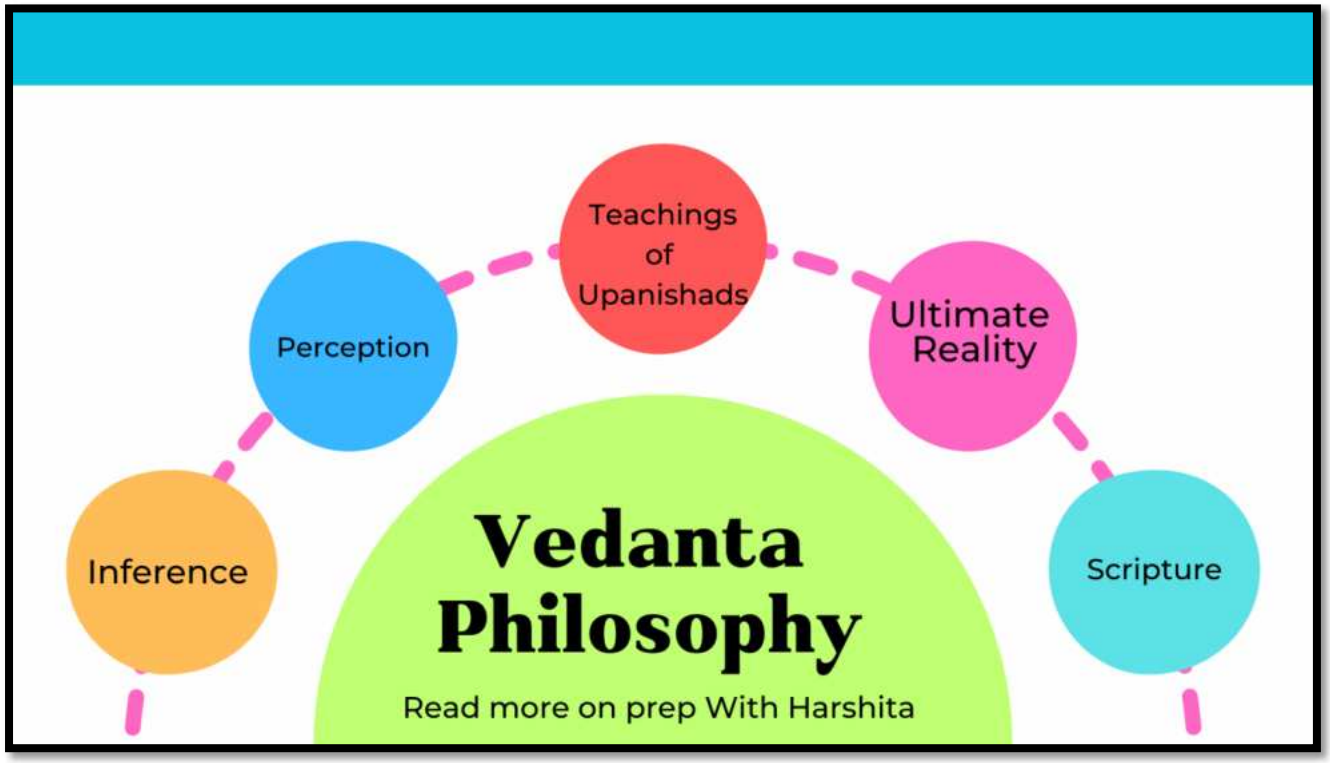

वेदांत दर्शन (शंकराचार्य का अद्वैत वेदांत)

अद्वैत , जिसका अर्थ है गैर द्वैतवाद, वेदांत का सबसे प्रभावशाली स्कूल है। आदि द्वारा प्रतिपादित शंकराचार्य के अनुसार , इसके मूल सिद्धांत हैं: ब्रह्म सत्यम, जगत् मिथ्या , जीवो ब्रह्मैव नः परः (ब्रह्म ही एकमात्र वास्तविकता है, जगत एक भ्रम है, व्यक्तिगत आत्मा ब्रह्म के अलावा कुछ नहीं है)।

- **शैक्षिक उद्देश्य: अज्ञानता (** *अविद्या* **)** को दूर करना और व्यक्ति को ब्रह्म के रूप में अपने वास्तविक स्वरूप का एहसास कराने में मदद करना, जिससे *मोक्ष* (मुक्ति) प्राप्त हो सके।
- **पाठ्यक्रम:** धर्मग्रंथों (उपनिषद, ब्रह्म सूत्र, गीता), दर्शन और आध्यात्मिक अंतर्दृष्टि की ओर ले जाने वाली प्रथाओं का अध्ययन।
- **विधि:** सुनना (*श्रवण*), मनन (*मनन*), और ध्यान (*निदिध्यासन*)।

बौद्ध दर्शन

PAID STUDENTS BENEFITS

- ✓ Access to PYQs of the Upcoming 1 year Exams
- ✓ Entry into Quiz Group + Premium Materials
- ✓ 20% Discount on Future Purchases /For Referring a Friend
- ✓ Access to Current Affairs + Premium Study Group

NOTE: Please share your Fee Receipt or Payment Screenshot for activation.

Click here to join

Call us/whatapp +91 7690022111 +91 9216228788

PROFESSORS ADDA

UGC NET / JRF / A. Professor / CUET

हिंदी English माध्यम उपलब्ध

Paper 1 & All Subject Available

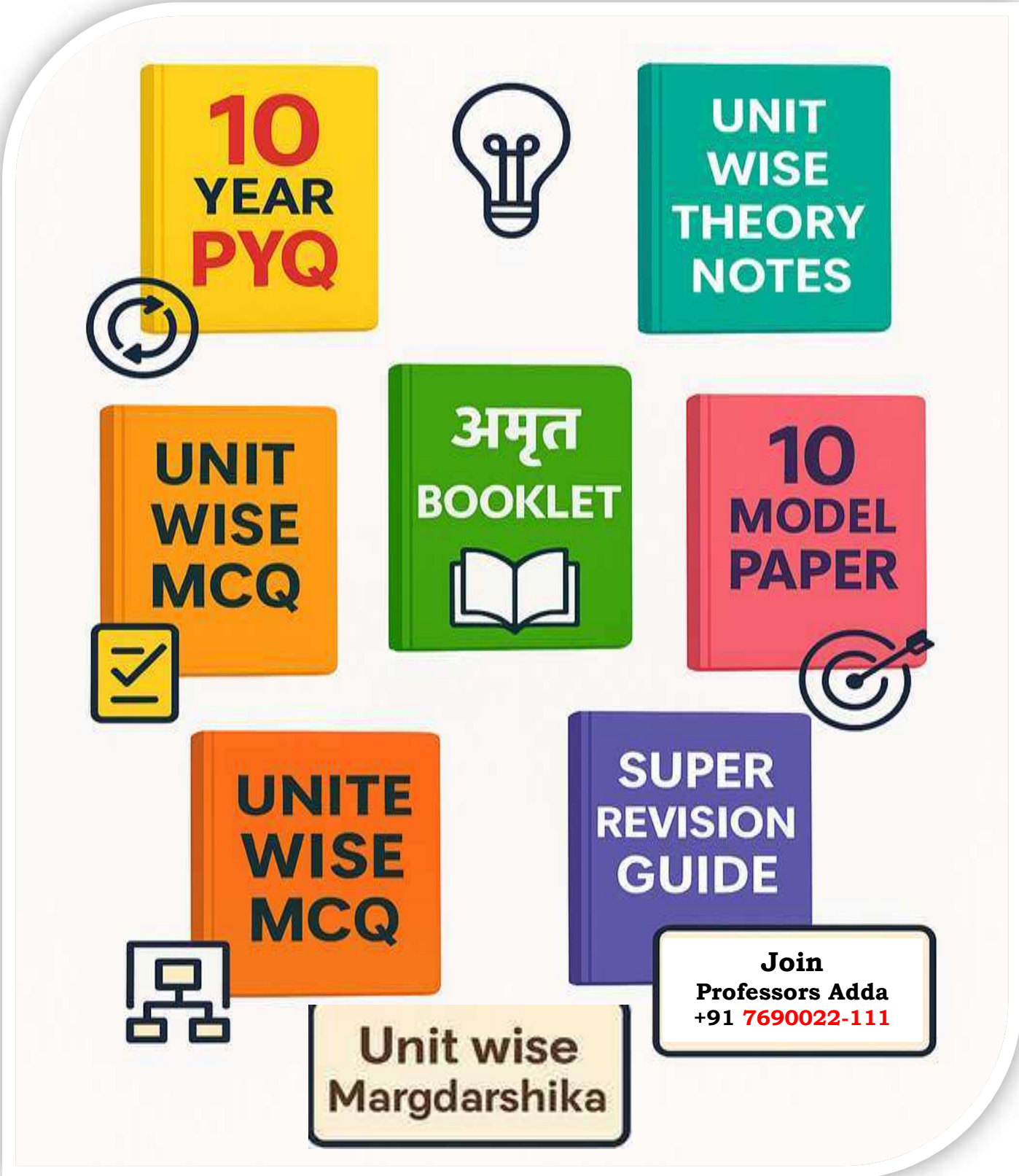

All Subject's Complete Study Material KIT available. Professor Adda

Call WhatsApp Now +91 7690022111 / 9216228788

PROFESSORS ADDA

UGC NET / JRF / A. Professor / CUET

हिंदी English माध्यम उपलब्ध

Paper 1 & All Subject Available

POLITICAL SCIENCE
SOCIOLOGY
PHILOSOPHY
PUBLIC ADMINISTRATION
PHYSICAL EDUCATION
English
हिन्दी
COMMERCE
ECONOMICS
HISTORY
GEOGRAPHY
EDUCATION
संस्कृत
HOME SCIENCE
SOCIAL WORK
YOGA
COMPUTER SCIENCE
MANAGEMENT
OTAL
EDUCATION
HOME SCIENCE
OTHER ALL
COMPUTER SCIENCE
MANAGEMENT

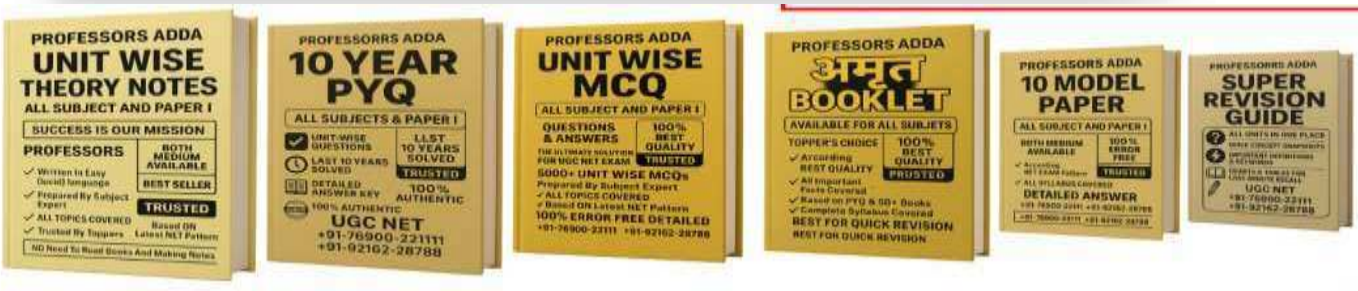

All Subject's Complete Study Material KIT available. Professor Adda
Call WhatsApp Now +91 7690022111 / 9216228788

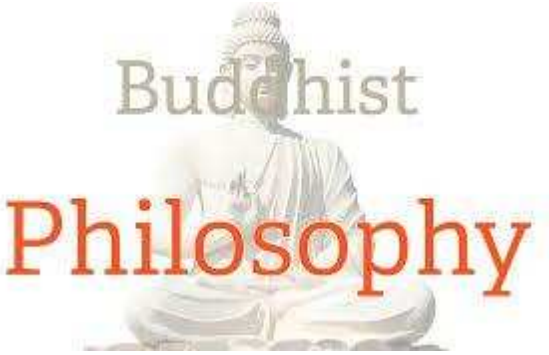

सिद्धार्थ गौतम द्वारा स्थापित बौद्ध धर्म एक अनीश्वरवादी दर्शन है जो दुख (दुःख) पर काबू पाने पर केंद्रित है।

- **चार आर्य सत्य:**
  1. वहाँ दुःख है.
  2. दुःख का एक कारण (लालसा और आसक्ति) है।
  3. दुःख का अंत हो जाता है।
  4. दुःख निवारण का एक मार्ग है (आर्य अष्टांगिक मार्ग)।
- **शैक्षिक उद्देश्य:** निर्वाण की प्राप्ति। इसमें चरित्र विकास, अज्ञानता को दूर करना और नैतिक आचरण शामिल है।
- **विधि:** मौखिक निर्देश, चर्चा, वाद-विवाद, ध्यान और मठों (*विहारों*) में सीखना।

जैन दर्शन

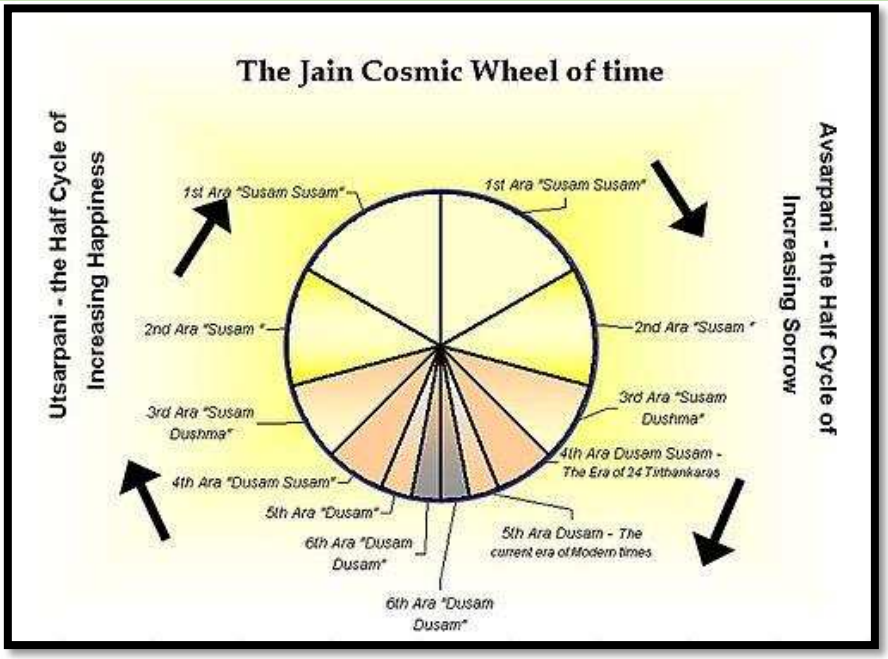

PROFESSORS ADDA 2025

One Stop Solution for NET / JRF / A. Professor / CUET

जैन धर्म का उद्देश्य आत्मा (जीव) को कर्म के बंधन से मुक्त करना है।

- **तीन रत्न (त्रि- रत्न):**
  1. सम्यक श्रद्धा (*सम्यक श्रद्धा) दर्शन*)
  2. सम्यक ज्ञान (*सम्यक ज्ञान) ज्ञान*)
  3. सही आचरण (*सम्यक आचरण) चरित्र*)
- **पाँच व्रत:** अहिंसा, सत्य , अस्तेय , ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह ।
- **शैक्षिक उद्देश्य:** त्रिरत्नों की प्राप्ति के माध्यम से आत्मा की पूर्णता, आत्म-साक्षात्कार और व्यक्तित्व का विकास।

PAID STUDENTS BENEFITS

✓ Access to PYQs of the Upcoming 1 year Exams
✓ Entry into Quiz Group + Premium Materials
✓ 20% Discount on Future Purchases /For Referring a Friend
✓ Access to Current Affairs + Premium Study Group

NOTE: Please share your Fee Receipt or Payment Screenshot for activation.

Click here to join

Call us/whatapp +91 7690022111 +91 9216228788

यूजीसी नेट परीक्षा आधारित तथ्य

1. **कपिल** द्वारा स्थापित **सांख्य को** छह रूढ़िवादी स्कूलों में सबसे पुराना

सभी विषयों की सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री किट उपलब्ध है।
प्रोफेसर अड्डा अभी व्हाट्सएप पर कॉल करें **7690022111 / 9216228788**

माना जाता है।

2. सांख्य दर्शन में मौलिक द्वैतवाद ' **पुरुष** ' (आत्मा/चेतना) और ' **प्रकृति** ' (पदार्थ/प्रकृति) के बीच है।
3. **पतंजलि द्वारा स्थापित योग** दर्शन, सांख्य में वर्णित मुक्ति के लिए व्यावहारिक पद्धति प्रदान करता है ।
4. योग की परिभाषा है ' **चित्त' वृत्ति ' निरोध** ' (मन की वृत्तियों का निरोध)।
5. **न्याय गौतम** द्वारा स्थापित यह स्कूल मुख्य रूप से तर्क और ज्ञानमीमांसा (ज्ञान के सिद्धांत) से संबंधित है।
6. **वैशेषिक कनाडा** द्वारा स्थापित स्कूल , ब्रह्मांड के परमाणु सिद्धांत के लिए जाना जाता है।
7. **पूर्वा मीमांसा** वेदों के **'कर्मकाण्ड ' (अनुष्ठानात्मक क्रियाकलाप)** पर केंद्रित है ।
8. **वेदांत** (या उत्तर मीमांसा) ' **ज्ञान-काण्ड** ' (ज्ञान भाग) पर केंद्रित है, मुख्यतः उपनिषदों पर।
9. **अद्वैत वेदांत , आदि द्वारा प्रतिपादित शंकराचार्य का** दर्शन पूर्णतया अद्वैतवाद का दर्शन है, जहां ब्रह्म ही एकमात्र वास्तविकता है।
10. **'माया' (ब्रह्मांडीय भ्रम)** की अवधारणा शंकराचार्य की विचारधारा का आधार है। अद्वैत वेदांत.
11. **विशिष्टाद्वैत** (योग्यतापूर्ण अद्वैतवाद) का प्रतिपादन **रामानुज ने किया था** ।
12. **द्वैतवाद** , जो ईश्वर, आत्मा और पदार्थ के बीच अंतर स्थापित करता है, **माधव द्वारा प्रतिपादित किया गया था** ।
13. **चार्वाक** भारतीय दर्शन में एकमात्र विशुद्ध **भौतिकवादी (नास्तिक) स्कूल**

है, जिसे लोकायत के नाम से भी जाना जाता है ।

14. चार आर्य सत्य' और 'आर्य अष्टांगिक मार्ग' बौद्ध धर्म की आधारभूत शिक्षाएं हैं।
15. बौद्ध धर्म में अंतिम लक्ष्य 'निर्वाण' प्राप्त करना है , जिसका अर्थ है दुख का उन्मूलन।
16. जैन धर्म में मुक्ति का मार्ग 'त्रि- रत्न ' (तीन रत्न) से होकर जाता है: सम्यक विश्वास, सम्यक ज्ञान और सम्यक आचरण।
17. जैन धर्म का प्रमुख सिद्धांत और सबसे प्रमुख गुण 'अहिंसा' है।
18. रूढ़िवादी (आस्तिक) स्कूल (सांख्य , योग, न्याय , आदि) वेदों के सर्वोच्च अधिकार को स्वीकार करते हैं।
19. नास्तिक संप्रदाय (बौद्ध धर्म, जैन धर्म, चार्वाक) वेदों की प्रामाणिकता को अस्वीकार करते हैं ।
20. योग के आठ गुना मार्ग, जिसमें यम , नियम और आसन शामिल हैं, को सामूहिक रूप से ' अष्टांग योग' के रूप में जाना जाता है ।

1.3 पश्चिमी दर्शन स्कूल

पश्चिमी दर्शन ने आधुनिक शैक्षिक सिद्धांतों और प्रथाओं को गहराई से प्रभावित किया है। मुख्य स्कूलों में आदर्शवाद, यथार्थवाद, प्रकृतिवाद, व्यावहारिकता और अस्तित्ववाद शामिल हैं।

1. तत्वमीमांसा (वास्तविकता)

दर्शन	विवरण

आदर्शवाद	मन, आत्मा, विचार ही परम सत्य हैं।
यथार्थवाद	पदार्थ की वस्तुनिष्ठ दुनिया मन से स्वतंत्र रूप से अस्तित्व में रहती है।
प्रकृतिवाद	प्रकृति सम्पूर्ण वास्तविकता है; पदार्थ आधारभूत है।
व्यवहारवाद	वास्तविकता अनुभव, प्रक्रिया और परिवर्तन है। कोई निरपेक्षता नहीं।
एग्ज़िस्टंत्सियनलिज़म	अस्तित्व सार से पहले आता है। वास्तविकता व्यक्तिपरक विकल्प और स्वतंत्रता है।

2. ज्ञानमीमांसा (ज्ञान)

दर्शन	विवरण
आदर्शवाद	तर्क, अंतर्ज्ञान और विचारों के अध्ययन के माध्यम से।
यथार्थवाद	इन्द्रियों, अवलोकन और वैज्ञानिक पद्धति के माध्यम से।
प्रकृतिवाद	इन्द्रियों और प्रकृति के प्रत्यक्ष अनुभव के माध्यम से।
व्यवहारवाद	अनुभव, प्रयोग और समस्या समाधान के माध्यम से।

एग्ज़िस्टंत्सियनलिज़म	व्यक्तिपरक, व्यक्तिगत और चुना हुआ। आत्म-ज्ञान पर ध्यान केंद्रित करें।

3. शिक्षा के उद्देश्य

दर्शन	विवरण
आदर्शवाद	आत्म-साक्षात्कार, व्यक्तित्व का उत्थान, सत्य, सौंदर्य, अच्छाई की खेती।
यथार्थवाद	जीवन के लिए तैयारी, वस्तुगत दुनिया को समझना, व्यावसायिक प्रशिक्षण।
प्रकृतिवाद	प्राकृतिक विकास, पर्यावरण के प्रति अनुकूलन, "मानव मशीन" की पूर्णता।
व्यवहारवाद	नये मूल्यों का सृजन, सामाजिक दक्षता, समस्या समाधान कौशल, निरंतर विकास।
एग्ज़िस्टंत्सियनलिज़म	आत्म-साक्षात्कार, व्यक्तिगत स्वतंत्रता को बढ़ावा देना, विकल्प चुनना, प्रामाणिक बनना।

4. पाठ्यक्रम

दर्शन	विवरण
आदर्शवाद	मानविकी, कला, दर्शन, धर्म (मन -केंद्रित)।
यथार्थवाद	विज्ञान, गणित, तर्कशास्त्र, सामाजिक विज्ञान (विषय-केंद्रित)।
प्रकृतिवाद	प्राकृतिक विज्ञान, शारीरिक गतिविधियाँ, स्वास्थ्य प्रशिक्षण (प्रकृति-केंद्रित)।
व्यवहारवाद	एकीकृत विषय, परियोजना-आधारित, बच्चे की रुचियों पर आधारित (अनुभव-केंद्रित)।
एग्ज़िस्टंत्सियनलिज़म	मानविकी, कला, साहित्य आत्म-अभिव्यक्ति (शिक्षार्थी-केंद्रित) को बढ़ावा देने के लिए।

---

5. शिक्षक की भूमिका

दर्शन	विवरण
आदर्शवाद	आध्यात्मिक मार्गदर्शक, आदर्श, केन्द्रीय व्यक्ति।
यथार्थवाद	विशेषज्ञ, मार्गदर्शक, वास्तविकता का प्रदर्शनकर्ता।

सभी विषयों की सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री किट उपलब्ध है।
प्रोफेसर अड्डा अभी व्हाट्सएप पर कॉल करें 7690022111 / 9216228788

प्रकृतिवाद	पर्यवेक्षक, सुविधाप्रदाता, मंच-निर्माता (सहायक भूमिका)।
व्यवहारवाद	मार्गदर्शक, सुगमकर्ता, अनुभवों का प्रबन्धक।
एग्ज़िस्टंत्सियनलिज़म	आत्म-खोज का सुगमकर्ता, गैर-निर्देशक।

6. अनुशासन

दर्शन	विवरण
आदर्शवाद	इच्छाशक्ति के माध्यम से आंतरिक अनुशासन, प्रभाववादी।
यथार्थवाद	प्राकृतिक/सामाजिक कानूनों के अनुरूप अनुशासन।
प्रकृतिवाद	प्राकृतिक परिणामों द्वारा अनुशासन.
व्यवहारवाद	सामाजिक गतिविधियों में भागीदारी के माध्यम से आत्म-अनुशासन।
एग्ज़िस्टंत्सियनलिज़म	विकल्पों के लिए स्वतंत्रता और व्यक्तिगत जिम्मेदारी पर जोर।

7. प्रमुख समर्थक

दर्शन	विवरण
आदर्शवाद	प्लेटो, कांट, हेगेल, फ्रोबेल।
यथार्थवाद	अरस्तू, लोके, हर्बर्ट स्पेंसर।
प्रकृतिवाद	रूसो, कमेनियस, स्पेंसर.
व्यवहारवाद	पियर्स, विलियम जेम्स, जॉन डेवी.
एग्ज़िस्टंत्सियनलिज़म	कीर्केगार्ड, सार्त्र, नीत्शे।

Professors Adda

PAID STUDENTS' BENEFITS

- Access to PYQs of the last 1 year

- Entry into Quiz Group + Premium Materials
- 20% Discount on Future Purchases / For Referring a Friend

- Access to Current Affairs + Premium Study Group

NOTE: Please share your *Fee Receipt* or Payment Screenshot for activation.

Call/Whapp 76900-22111, 9216228788

Professors Adda

Unlock Your Gift

Scan QR

Click Here Get Gift

Click Here Get Gift

Call/Wapp +91769002111, 921622-8788

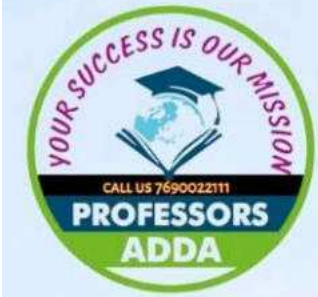

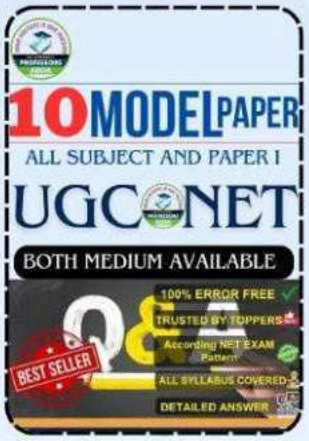

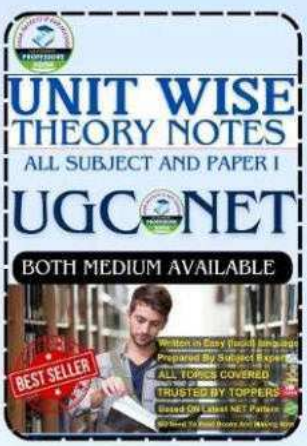

YOUR SUCCESS IS OUR MISSION
CALL US 7690022111
PROFESSORS ADDA
10 MODEL PAPER
ALL SUBJECT AND PAPER I
UGC NET
BOTH MEDIUM AVAILABLE
अमृत AMRIT BOOKLET
AVAILABLE FOR ALL SUBJECTS
UGC NET
TOPPER'S CHOICE
UNIT WISE THEORY NOTES
ALL SUBJECT AND PAPER I
UGC NET
BOTH MEDIUM AVAILABLE
10 YEAR'S PYQ
ALL SUBJECT AND PAPER I
UGC NET
BOTH MEDIUM AVAILABLE
100% ERROR FREE
TRUSTED BY TOPPERS
Based ON UGC Authorised Answers KEY
360 Guidance
Highest Success Rate in India
BEST SELLER
+91-76900-22111
+91-92162-28788

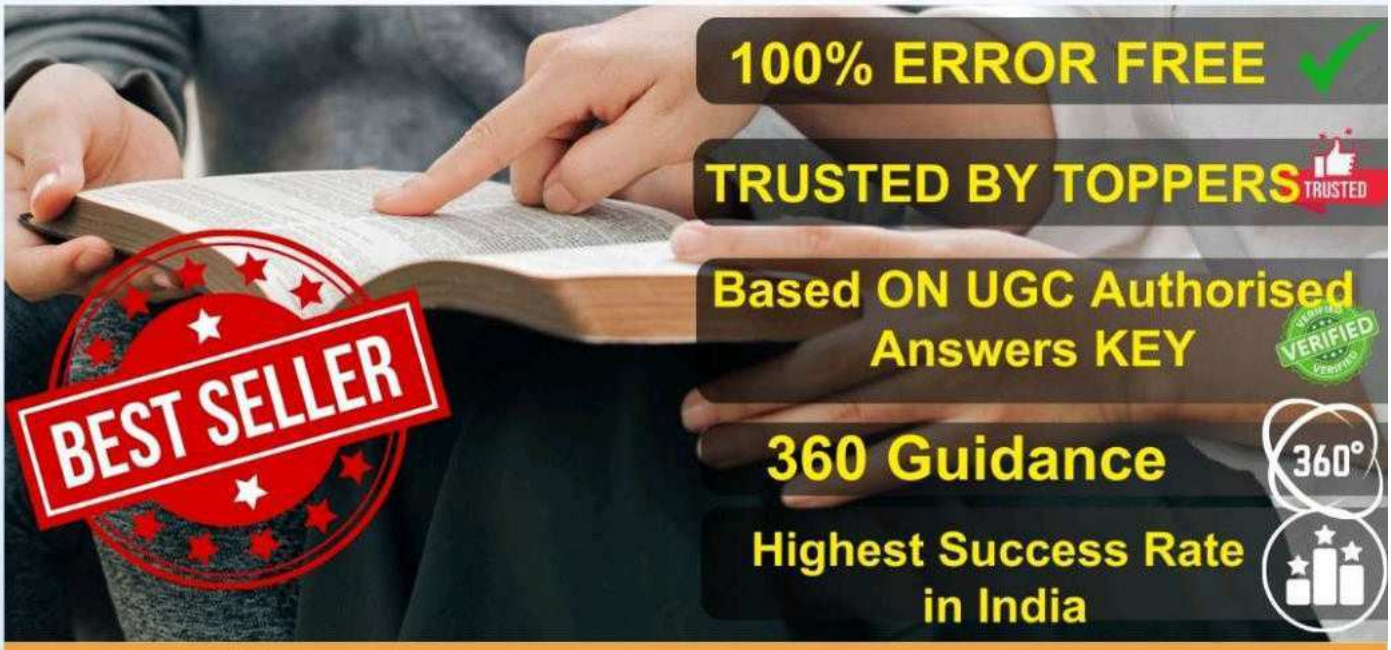

यू.जी.सी. नेट (निरस्त) शिक्षाशास्त्र 18-06-2024

1. सकल गुणवत्ता प्रबंधन सिद्धांत में PDCA का पूरा नाम है:
(a) पब्लिश, डिजाइन, कियेट, एड्वरटाइज
(b) प्लान, डू, चेक, एक्ट
(c) प्रिपेयर, डिवाइड, कंट्रोल, एविलिटी
(d) पनिश, डिमाण्ड केयर एड्वाइज

Ans. (b)

2. निम्नलिखित में से कौन सा पाठ्यक्रम नियोजन का तकनीकी मॉडल नहीं है?
(a) खुली कक्षा मॉडल
(b) जमीनी मॉडल
(c) हुन्किंस मॉडल
(d) टाइलर मॉडल

Ans. (a)

3. शिक्षण-प्रतिरूप और प्रतिपादकों के असत्य युग्म का चयन करें:
A. सामाजिक अंतः क्रिया प्रतिरूप-डेबी और हर्बर्ट
B. यवहार परिवर्तनकारी प्रतिरूप कार्ल रोजर्स
C. सामाजिक पृच्छा प्रतिरूप कार्ल रोजर्स
D. सूचना विकास प्रतिरूप स्किनर
E. स्व-जागरूकता प्रतिरूप-पॉल और शुट्ज
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(a) केवल A, C और E
(b) केवल B, C और D
(c) केवल B और D
(d) केवल A और E

Ans. (c)

4. मूल्यांकन है-
(a) मापन + आकलन + मूल्य-निर्धारण
(b) मापन + आकलन श्रेणीकरण
(c) मापन + सराहना वर्गीकरण
(d) आकलन + योग्यता +सम्बद्धता

Ans. (a)

PROFESSORS ADDA

जो **Students Paid Notes** और **Courses buy** नहीं सकते है, तो **Free NET/JRF** तैयारी हेतु नीचे दिए **Whats App No.** पर **MESSAGE** करे अपना **SUBJECT**
NET JRF study kit-PDF Buy Now wapp/call 76900-22111

5. गांधी ने सत्याग्रह अभियान के लिए एक परिसर- विद्यालय सहित टालस्टॉय फार्म की स्थापना की थी? यह स्थित है:
(a) दक्षिण अफ्रीका
(b) साबरमती
(c) सेवाग्राम
(d) वर्धा

Ans. (a)

6. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए:

सूची-I	सूची-II
A. व्यवस्थित प्रतिदर्शन	I. विशाल और व्यापक वितरित जनसंख्या
B. समूह (कलस्टर) प्रतिदर्शन	II. सूचक
C. कोटा प्रतिदर्शन	III. सामान्य यादृच्छिक प्रतिदर्शन
D. हिमकंदुक (स्नोबाल) प्रतिदर्शन	IV. गैर-प्रायिकता स्तरित प्रतिदर्शन

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(a) A-III, B-IV, C-I, D-II
(b) A-I, B-III, C-IV, D-II
(c) A-III, B-I, C-IV, D-II
(d) A-I, B-II, C-III, D-IV

Ans. (c)

7. आंतरिक और बाहरी आलोचना की प्रक्रियायें सम्मिलित हैं-
(a) ऐतिहासिक शोध में
(b) सर्वेक्षण शोध में
(c) प्रयोगात्मक शोध में
(d) कार्योत्तर शोध में

Ans. (a)

PROFESSORS ADDA

पेपर 1 और सभी नेट विषय के संपूर्ण नोट्स नए सिलेबस और पैटर्न के अनुसार उपलब्ध हैं।
निःशुल्क samples के लिए
अभी कॉल या व्हाट्सएप करें 7690022111 / 9216228788

8. शिजिओ शिंगो द्वारा प्रतिपादित जापानी शब्द पोका- योके का अर्थ है:
(a) केन्द्रीय भूमिका पकड़े
(b) त्रुटि-निवारण
(c) सही अवसर का इंतजार
(d) सही नेतृत्व को देखें/तलाशें

Ans. (b)

9. निम्नलिखित में से कौन-सा राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP), 2020 का एक मूल सिद्धांत है?
(a) बहु-सांस्कृतिक शिक्षा

जो Students Paid Notes और Courses buy नहीं सकते है, तो Free NET/JRF तैयारी हेतु नीचे दिए Whats App No. पर MESSAGE करे अपना SUBJECT
NET JRF study kit-PDF Buy Now wapp/call 76900-22111

(b) अधिगम के लिए सार्वभौमिक अभिकल्प
(c) सहायक और समायोजनकारी प्रौद्योगिकियों का प्रयोग
(d) पूर्ण समता और समावेशन

Ans. (d)

10. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए:

सूची-I आदर्श समाज प्रतिरूप	सूची-II प्रतिपादक/लेखक
A. द सिटी ऑफ गाड	I. थॉमस मूर
B. रिपब्लिक	II. कोमेनियस
C. यूटोपिया	III. ऑगस्टाइन
D. द ग्रेट डिडैक्टिक	IV. प्लेटो

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(a) A-IV, B-I, C-III, D-II
(b) A-II, B-IV, C-I, D-III
(c) A-III, B-IV, C-I, D-II
(d) A-II, B-I, C-IV, D-III

Ans. (c):

11. हंकिंस के पाठ्यचर्या विकास मॉडल के अनुसार निम्न को उचित क्रम में व्यवस्थित करें:
A. अंतर्वस्तु चयन
B. रखरखाव
C. मूल्यांकन
D. क्रियान्वयन
E. अनुभव चयन
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(a) E, A, B, C, D
(b) A, E, D, C, B
(c) A, B, E, C, D
(d) E, D, B, A, C

Ans. (b)

12. अर्द्ध-विच्छेदी विश्वसनीयता निर्धारित करने में सम्मिलित पद हैं:
A. दोनों भागों में सहसंबंध की गणना करें
B. परीक्षण को दो भागों में बाँटें
C. परीक्षण का प्रशासन
D. परीक्षण का अंकन
E. दोनों भागों के कुल प्राप्तांकों की गणना करें।
इन पदों को उचित क्रम में व्यवस्थित करें-
(a) C, D, B, E, A
(b) D, B, C, E, A
(c) C, B, A, D, E
(d) C, B, D, E, A

PROFESSORS ADDA

जो **Students Paid Notes** और **Courses buy** नहीं सकते है, तो **Free NET/JRF** तैयारी हेतु नीचे दिए **Whats App No.** पर **MESSAGE** करे अपना **SUBJECT**
NET JRF study kit-PDF Buy Now wapp/call 76900-22111

Ans. (d)

13. आलोचनात्मक शिक्षणशास्त्र किसकी रचनाओं/कार्यों से व्युत्पन्न हुआ है?
(a) बर्नस्टेन, 2000
(b) पाउलो फ्रैरें, 1972
(c) अलेक्जेंडर, 2001
(d) वायगोत्स्की, 1986

Ans. (b)

14. दूसरों के साथ सामंजस्य बैठाना, यौवनारंभ से जुड़े शारीरिक परिवर्तनों को समझना, व्यक्तिगत मूल्य विकसित करना, सहपाठियों की स्थिति समझना इत्यादि जैसे प्रकरण पाठ्यक्रम में किस उपागम द्वारा प्रविष्ट होंगे?
(a) विषय क्षेत्र उपागम
(b) व्यापक क्षेत्र उपागम
(c) उदीयमान आवश्यकता उपागम
(d) सामाजिक समस्याएँ उपागम

Ans.(c)

Let's Crack #JRF Asst Professor / Phd

ALL UGC NET SUBJECT AVAILABLE

Study group Benefits with privacy ⬇

1. Concept/ Theory pdf Notes
2. MCQ Quiz
3. Latest PYQs
4. Quick Revision Amriut
5. Model Test Papers
6. Current Affairs Focus
7. All India Rank
8. Latest exam Updates
9. Brain Booster facts

Free Free --- Join UGC NET
Subject wise Free study group.
ALL subject available.
send us Subject + medium on this number 7690022111. Our team will add you
Click on link to join
https://wa.link/9r0r0

Don't Miss this opportunity
Join & share..... आज ही जुड़े और अपनी NET / JRF एक बार मे सफलता सुनिश्चित करे .
Contact to team to join +91 769000-22111 +91 92162-28788

15. हिल्डा ताबा पाठ्यचर्या मॉडल के अनुसार निम्नलिखित को उचित क्रम प्रदान करें-
A. उद्देश्यों का निर्माण
B. अंतर्वस्तु का संगठन
C. क्रियाकलापों का चयन विद्यार्थी
D. आवश्यकताओं का निदान
E. अंतर्वस्तु का चयन
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

जो Students Paid Notes और Courses buy नहीं सकते है, तो Free NET/JRF तैयारी हेतु नीचे दिए Whats App No. पर MESSAGE करे अपना SUBJECT
NET JRF study kit-PDF Buy Now wapp/call 76900-22111

(a) D, C, B, E, A
(b) A, B, D, C, E
(c) D, A, E, B, C
(d) A, E, C, D, B

Ans. (c)

16. शोध प्रस्ताव लिखने के लिए निम्नलिखित चरण प्रयुक्त होते हैं:
A. शोध परिकल्पनाएँ निर्मित करना
B. शोध प्रश्न निर्मित करना
C. समस्या कथन लिखना
D. प्रतिदर्श और प्रतिदर्शन तकनीक लिखना
E. शोध उद्देश्यों का उल्लेख करना
नीचे दिए गए विकल्पों में से इन चरणों का सही अनुक्रम है:
(a) A, B, D, E, C
(b) B, C, E, A, D
(c) B, E, C, D, A
(d) A, C, B, D, E

Ans. (b)

17. 'प्रत्येक विद्यालय में, जाति, पंथ, समुदाय, धर्म, आर्थिक स्थिति या सामाजिक स्तर की परवाह किए बिना पड़ोस के सभी बच्चे जाने चाहिए ताकि विद्यालयों का कोई पृथक्करण नहीं हो' यह अनुशंसा किससे संबद्ध की जा सकती है?
(a) मुदालियार आयोग
(b) कोठारी आयोग
(c) चट्टोपाध्याय आयोग
(d) एनईपी-1986

Ans. (b)

18. सही जोड़े का चयन करें:
A. प्रतीकात्मक अंत: क्रियावाद जॉर्ज मीड
B. संरचनात्मक प्रकार्यवाद-टालकॉट पार्सन्स
C. तर्कवाद जॉन लॉक
D. अनुभववाद- रेने देकार्ते
E. समाजवाद-मार्क्स और एंजेल्स
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(a) केवल A, B और E
(b) केवल B, C और D
(c) केवल C और E
(d) केवल C, D और E

Ans. (a)

19. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए:

PROFESSORS ADDA

जो **Students Paid Notes** और **Courses buy** नहीं सकते है, तो **Free NET/JRF** तैयारी हेतु नीचे दिए **Whats App No.** पर **MESSAGE** करे अपना **SUBJECT**
NET JRF study kit-PDF Buy Now wapp/call 76900-22111

UGC NET EDUCATION PAPER II JUNE 2023

1. सावित्रीबाई फुले में कौन-सी एक विशेषता नहीं हो सकती है?
   (a) कवयित्री
   (b) शिक्षाविद्
   (c) समाज सुधारक
   (d) राजनीतिक कार्यकर्ता

2. यह कथन किसका है, "कोई भी राष्ट्र इसलिए महान अथवा अच्छा नहीं होता है क्योंकि संसद इसे अथवा उसे अधिनियमित करती है, बल्कि इसलिए कि इसके निवासी महान और अच्छे हैं..."
   (a) महात्मा गांधी
   (b) जे. कृष्णामूर्ति
   (c) रवीन्द्रनाथ टैगोर
   (d) स्वामी विवेकानन्द

3. जे. कृष्णामूर्ति के विचारनुसार, एक व्यक्ति प्रसन्नतापूर्वक जीवन जी सकता है, यदि वह:
   (a) प्रतिस्पर्धा में दूसरों को पछाड़ (हरा) देता है।
   (b) चुनौतियों को स्वीकार करता है।
   (c) गैर-प्रतिस्पर्धी है।
   (d) साहसी एवं बुद्धिमान है।

4. "पेडोगॉजी ऑफ आप्रेस्ड" (दमितों का शिक्षाशास्त्र) पुस्तक में भेद किया गया है:
   (a) शिक्षाशास्त्र और शिक्षण में
   (b) अध्यापक और अभिभावकों (माता-पिता) में
   (c) अत्याचारी और निग्राहक (सप्रेसर्स) में
   (d) अत्याचारी एवं दमित (ओप्रेसर्स और ओप्रेस्ड) में

5. किस आयोग राष्ट्रीय प्रारूप / नीति में बहुविध कृत्यों पर आधारित अध्यापकों के मूल्यांकन पर विचार-विमर्श किया गया है ?
   (a) राष्ट्रीय पाठ्यचर्या प्रारूप (2005)
   (b) राष्ट्रीय ज्ञान आयोग
   (c) राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986)
   (d) कोठारी शिक्षा आयोग

6. यूनेस्को ने किस वर्ष में शिक्षा को वैश्विक समान अच्छाई के रूप में मानने का अभिवचन किया?
   (a) वर्ष 2016 में
   (b) वर्ष 2017 में
   (c) वर्ष 2014 में

PROFESSORS ADDA

(d) वर्ष 2015 में

7. राष्ट्रीय पाठ्यचर्या पारूप, 2005 ने बल दिया है कि अध्यापक शिक्षा पाठ्यचर्या में अध्यापकों की भाषादक्षता में अभिवृद्धि होनी चाहिए क्योंकि:
   (a) अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम अध्यापको के लिए भाषा की केन्द्रीयता को मान्यता नहीं देता है।
   (b) अध्यापक अपर्याप्त संचारक हैं।
   (c) त्रि भाषा नीति बेहतर कार्य करती है।
   (d) विदेशी भाषा होने के कारण अंग्रेजी ठीक तरह से नहीं बोली जाती है।

8. संयुक्त राष्ट्र आर्थिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक अधिकार प्रसंविदा के किस अनुच्छेद में सभी के लिए उच्च शिक्षा तक पहुँच का उल्लेख है?
   (a) अनुच्छेद 13
   (b) अनुच्छेद 12
   (c) अनुच्छेद 17
   (d) अनुच्छेद 4

9. अव्यक्त अधिगम उदाहरण है :
   (a) परिहार अधिगम का
   (b) पलायन अधिगम का
   (c) संज्ञानात्मक अधिगम का
   (d) कार्यक्रमबद्ध अधिगम का

10. 'वस्तु स्थायित्व' (आब्जेक्ट परमानेंस) संबंधित है:
   (a) संज्ञानात्मक विकास की मूर्त संक्रियात्मक अवस्था से
   (b) संज्ञानात्मक विकास की औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था से
   (c) संज्ञानात्मक विकास की संवेदीप्रेरक अवस्था से
   (d) संज्ञानात्मक विकास की पूर्वसंक्रियात्मक अवस्था से

11. फ्रायड के अनुसार केवल है / हैं :
   (a) एक मूल प्रवृत्ति
   (b) दो मूलप्रवृत्तयाँ
   (c) तीन मूलप्रवृत्तयाँ
   (d) चार मूलप्रवृत्तियाँ

12. अधिगम के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन सा सही नहीं है?
   (a) इसे व्यवहार में अपेक्षाकृत स्थायी परिवर्तन के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।
   (b) यह बहुत बेहतर या बदतर के लिए हो सकता है।

PROFESSORS ADDA

(c) यह अभ्यास के बिना भी हो सकता है।

(d) यह आवश्यक रूप से दीर्घावधि तक बरकरार रहना चाहिए।

13. ट्रांसडक्टिव तर्कणा:

(a) सामान्य से विशेष की ओर अग्रसर होती है।

(b) विशेष से सामान्य की ओर अग्रसर होती है।

(c) विशेष से विशेष की ओर अग्रसर होती है।

(d) आदिम से आधुनिक की ओर अग्रसर होती है।

14. निम्नलिखित में से शोध के गौण आंकड़ों का स्रोत कौन सा हैं?

(a) अवशेष (रेलिक्स)

(b) किसी के द्वारा विगत में लिखा गया निबंध

(c) पंजीकृत करारनामा

(d) प्रवृत्ति के आधार पर पूर्वानुमान

15. आधारभूत (ग्राउंडेड) सिद्धांत में शोधकर्ता द्वारा कूटन (कोडिंग) क्यों किया जाता है?

(a) साहित्य से पूर्ववर्ती अवधारणा बनाने के लिए।

(b) मुक्त कूटन, चयनात्मक कूटन एवं अक्षीय कूटन के प्रयोग के लिए।

(c) निगमनात्मक विचार को ग्रहण करने के लिए।

(d) जब सैद्धान्तिक संतृप्ति की प्राप्ति हो गयी हो, उसे रोकने के लिए।

16. निम्नलिखित में से मापन की किस मापनी में वास्तविक शून्य बिन्दु पाया जाता है?

(a) नामिक मापनी

(b) क्रमसूचक मापनी

(c) अंतराल मापनी

(d) अनुपात मापनी

17. सममित वितरण हेतु निम्नलिखित में से कौन सा सूत्र सही नहीं है?

(a) माध्य - बहुलक = 3 (माध्य - माध्यिका)

(b) माध्य = 1/2 (3 माध्यिका - बहुलक)

(c) माध्य = बहुलक +1/3 (माध्य - माध्यिका)

(d) माध्य - बहुलक = 3/2 (माध्यिका - बहुलक)

18. निम्नलिखित में से किसने आलोचनात्मक शिक्षाशास्त्र' का समर्थन किया?

(a) अरबिन्द

(b) प्लेटो

(c) कार्ल मार्क्स

PROFESSORS ADDA

(c) वेतन वृद्धि करनी चाहिए और अध्यापन लोड घटना चाहिए

(d) सही कार्य करने के लिए समाज, स्वयं (शिक्षक) और प्रणाली का सहयोगात्मक प्रयास चाहिए

ANSWERS

1	D	21	C	41	C	61	*	81	D
2	D	22	D	42	D	62	D	82	B
3	C	23	B	43	D	63	C	83	B
4	D	24	D	44	D	64	C	84	B
5	C	25	C	45	D	65	D	85	B
6	D	26	D	46	B	66	B	86	C
7	A	27	C	47	C	67	D	87	A
8	A	28	C	48	C	68	C	88	A
9	C	29	A	49	A	69	B	89	A
10	C	30	A	50	A	70	D	90	B
11	B	31	B	51	D	71	C	91	B
12	C	32	A	52	A	72	B	92	D
13	C	33	B	53	D	73	D	93	C
14	B	34	C	54	B	74	A	94	C
15	D	35	B	55	A	75	A	95	B
16	D	36	A	56	B	76	C	96	D
17	C	37	C	57	A	77	C	97	D
18	D	38	B	58	C	78	B	98	B
19	C	39	C	59	B	79	C	99	D
20	A	40	C	60	A	80	A	100	D

PROFESSORS ADDA

UNIT WISE THEORY NOTES
ALL SUBJECT AND PAPER I
UGC NET
BOTH MEDIUM AVAILABLE
10 YEAR'S PYQ
ALL SUBJECT AND PAPER I
UGC NET
BOTH MEDIUM AVAILABLE
अमृत AMRIT BOOKLET
AVAILABLE FOR ALL SUBJECTS
UGC NET
TOPPER'S CHOICE
YOUR SUCCESS IS OUR MISSION
CALL US 7690022111
PROFESSORS ADDA
10 MODEL PAPER
ALL SUBJECT AND PAPER I
UGC NET
BOTH MEDIUM AVAILABLE
100% ERROR FREE
TRUSTED BY TOPPERS
According NET EXAM Pattern
ALL SYLLABUS COVERED
DETAILED ANSWER
BEST SELLER
+91-76900-22111
+91-92162-28788

UGC-NET शिक्षा पेपर-II: मॉडल पेपर (आसान स्तर)

प्रश्न 1. दर्शनशास्त्र की कौन सी शाखा वास्तविकता की प्रकृति से संबंधित है?

(A) ज्ञानमीमांसा

(B) एक्सियोलॉजी

(C) तत्वमीमांसा

(D) तर्क

सही उत्तर: (C)

स्पष्टीकरण:

- **तत्वमीमांसा:** दर्शनशास्त्र की वह शाखा जो वास्तविकता, अस्तित्व और विश्व की मौलिक प्रकृति की जांच करती है।
- **मुख्य प्रश्न:** वास्तविक क्या है? अस्तित्व की प्रकृति क्या है? क्या ईश्वर का अस्तित्व है?
- **आण्टोलॉजी (Ontology):** तत्वमीमांसा की एक मुख्य शाखा जो विशेष रूप से अस्तित्व की प्रकृति से संबंधित है।
- **ज्ञानमीमांसा:** ज्ञान से संबंधित है।
- **मूल्यमीमांसा:** मूल्यों (नैतिकता और सौंदर्यशास्त्र) से संबंधित है।

प्रश्न 2. पाश्चात्य दर्शन में आदर्शवाद का जनक किसे माना जाता है?

(A) अरस्तू

(B) प्लेटो

(C) सुकरात

(D) जॉन डेवी

सही उत्तर: (B)

स्पष्टीकरण:

PROFESSORS ADDA

- **प्लेटो (लगभग 428-348 ईसा पूर्व):** प्राचीन यूनानी दार्शनिक, सुकरात के छात्र।
- **मूल विचार (आदर्शवाद):** यह विश्वास किया जाता है कि परम वास्तविकता रूपों या विचारों के दायरे में निहित है, जो परिपूर्ण, शाश्वत और अपरिवर्तनीय हैं।
- **भौतिक जगत:** भौतिक जगत को वास्तविक वास्तविकता (रूपों का जगत) की अपूर्ण छाया या प्रतिबिंब मात्र माना जाता है।
- **प्रभाव:** उनके विचारों ने पश्चिमी आदर्शवाद की नींव रखी।
- **अरस्तू:** प्लेटो के शिष्य, लेकिन यथार्थवाद की ओर झुकाव रखते थे।

3. शिक्षा में प्रकृतिवाद _____ द्वारा सीखने पर जोर देता है।

(A) अमूर्त विचार और तर्क

(B) प्रकृति और इंद्रियों के साथ प्रत्यक्ष अनुभव

(C) धार्मिक शास्त्र और सिद्धांत

(D) सामाजिक संपर्क और सहयोग

सही उत्तर: (B)

स्पष्टीकरण:

- **प्रकृतिवाद:** एक दार्शनिक दृष्टिकोण जो प्रकृति को संपूर्ण वास्तविकता के रूप में महत्व देता है।
- **शैक्षिक जोर:** उनका मानना है कि बच्चों को सीधे प्रकृति से तथा अपनी इन्द्रियों और अनुभवों के माध्यम से सीखना चाहिए।
- **समर्थक:** जीन-जैक्स रूसो शैक्षिक प्रकृतिवाद से जुड़े एक प्रमुख व्यक्ति हैं।
- **विधियाँ:** प्राकृतिक परिवेश में करके सीखने, अवलोकन और अन्वेषण को प्राथमिकता देती हैं।
- **अस्वीकृति:** अक्सर किताबी शिक्षा और बाहरी तौर पर लगाए गए कठोर अनुशासन को अस्वीकार कर देते हैं।

Q4. प्रयोजनवाद एक दर्शन है जो मुख्य रूप से किस पर केंद्रित है:

(A) शाश्वत सत्य और मूल्य

(B) व्यावहारिक परिणाम और समस्या समाधान

(C) व्यक्ति का अस्तित्व

(D) प्रकृति का अध्ययन

PROFESSORS ADDA

सही उत्तर: (B)

स्पष्टीकरण:

- **प्रयोजनवाद:** एक दार्शनिक परंपरा जो 1870 के आसपास संयुक्त राज्य अमेरिका में उत्पन्न हुई।
- **प्रमुख विचारक:** चार्ल्स सैंडर्स पीयर्स, विलियम जेम्स, जॉन डेवी।
- **मूल विचार:** अर्थ और सत्य के मानदंड के रूप में व्यावहारिक परिणाम, उपयोगिता और समस्या समाधान पर जोर देता है।
- **फोकस:** विचारों को कार्रवाई और पर्यावरण के अनुकूलन के उपकरण के रूप में देखा जाता है।
- **शैक्षिक निहितार्थ:** अनुभव, प्रयोग और वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के माध्यम से सीखना।

5. कौन सा भारतीय दर्शन मुक्ति के लिए अष्टांगिक मार्ग (अष्टांग मार्ग) पर जोर देता है?

(A) वेदांत

(B) जैन धर्म

(C) बौद्ध धर्म

(D) सांख्य

सही उत्तर: (C)

स्पष्टीकरण:

- **संस्थापक:** सिद्धार्थ गौतम (बुद्ध)।
- **लक्ष्य:** दुख (दुःख) को समाप्त करना और निर्वाण प्राप्त करना।
- **अष्टांगिक मार्ग:** इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए व्यावहारिक मार्गदर्शिका।
- **अवयव:** सम्यक् समझ, सम्यक् विचार, सम्यक् वाणी, सम्यक् कर्म, सम्यक् आजीविका, सम्यक् प्रयास, सम्यक् स्मृति, सम्यक् समाधि।
- **वर्गीकरण:** प्रायः इसे बुद्धि (प्रज्ञा), नैतिक आचरण (शील) और मानसिक अनुशासन (समाधि) में वर्गीकृत किया जाता है।

प्रश्न 6. 'प्रकृति' (पदार्थ/प्रकृति) और 'पुरुष' (चेतना/आत्मा) की अवधारणा किस भारतीय दर्शन का केंद्र है?

(A) न्याय

PROFESSORS ADDA

(B) वैशेषिक

(C) सांख्य

(D) मीमांसा

सही उत्तर: (C)

स्पष्टीकरण:

- **सांख्य:** हिंदू धर्म के छह रूढ़िवादी (आस्तिक) स्कूलों में से एक।
- **संस्थापक:** ऋषि कपिला को इसका श्रेय दिया जाता है।
- **द्वैतवाद:** दो परम, स्वतंत्र वास्तविकताओं की कल्पना करता है: पुरुष (शुद्ध चेतना, असंख्य, निष्क्रिय) और प्रकृति (आदिम पदार्थ/प्रकृति, एकल, सक्रिय, तीन गुणों से निर्मित)।
- **विकास:** प्रकृति और पुरुष के अंतर्क्रिया से ब्रह्माण्ड का विकास होता है।
- **मुक्ति:** पुरुष और प्रकृति में अंतर करने वाले विवेकशील ज्ञान के माध्यम से प्राप्त की जाती है।

प्रश्न 7. भारत में 'बेसिक शिक्षा' (नई तालीम) के प्रस्तावक के रूप में किसे जाना जाता है?

(A) रवींद्रनाथ टैगोर

(B) स्वामी विवेकानंद

(C) महात्मा गांधी

(D) श्री अरबिंदो

सही उत्तर: (C)

स्पष्टीकरण:

- **महात्मा गांधी (1869-1948):** भारतीय राष्ट्रवादी नेता और दार्शनिक।
- **बुनियादी शिक्षा (नई तालीम):** 1937 में वर्धा सम्मेलन में प्रस्तावित।
- **मूल विचार:** उत्पादक शिल्प पर केन्द्रित शिक्षा की वकालत, जिसमें शारीरिक श्रम को बौद्धिक शिक्षा के साथ एकीकृत किया जाए।
- **उद्देश्य:** शिक्षा को स्वावलंबी, जीवन के लिए प्रासंगिक बनाना तथा समग्र विकास (सिर, हृदय, हाथ) को बढ़ावा देना।
- **माध्यम:** मातृभाषा में शिक्षण पर जोर दिया गया।

8. 'समाजीकरण' वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा व्यक्ति:

PROFESSORS ADDA

(A) सामाजिक सीढ़ी पर ऊपर बढ़ना।

(B) अपने सामाजिक समूह या संस्कृति के लिए उपयुक्त मानदंडों, मूल्यों और व्यवहारों को जानें।

(C) सामाजिक सेवा गतिविधियों में संलग्न रहें।

(D) राजनीतिक राय बनाना।

सही उत्तर: (B)

स्पष्टीकरण:

- **परिभाषा:** समाजीकरण एक आजीवन प्रक्रिया है जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने समाज या समूह की संस्कृति को सीखते और आत्मसात करते हैं।
- **परिणाम:** व्यक्तियों को उस समाज के सदस्य के रूप में प्रभावी ढंग से कार्य करने में सक्षम बनाता है।
- **एजेंट:** प्रमुख एजेंटों में परिवार, सहकर्मी, स्कूल, मीडिया और धार्मिक संस्थान शामिल हैं।
- **सीखना:** इसमें ज्ञान, कौशल, दृष्टिकोण, मूल्य, मानदंड और भूमिकाएं अर्जित करना शामिल है।
- **महत्व:** व्यक्तिगत विकास और सामाजिक स्थिरता दोनों के लिए महत्वपूर्ण।

9. 'सांस्कृतिक विगत' उस घटना को संदर्भित करता है जहां _____।

(A) विभिन्न संस्कृतियाँ एक दूसरे से तत्व उधार लेती हैं।

(B) गैर-भौतिक संस्कृति भौतिक संस्कृति की तुलना में अधिक तेजी से बदलती है।

(C) भौतिक संस्कृति अभौतिक संस्कृति की तुलना में अधिक तेजी से बदलती है।

(D) समाज अपनी सांस्कृतिक पहचान खो देता है।

सही उत्तर: (C)

स्पष्टीकरण:

- **अवधारणा:** समाजशास्त्री विलियम एफ. ऑगबर्न (1922) द्वारा प्रस्तुत।
- **परिभाषा:** यह उस तनाव का वर्णन करता है जो तब उत्पन्न होता है जब किसी संस्कृति के विभिन्न भाग अलग-अलग दरों पर बदलते हैं।
- **सामान्य पैटर्न:** भौतिक संस्कृति (जैसे, प्रौद्योगिकी, उपकरण) अक्सर तेजी से आगे बढ़ती है, जबकि गैर-भौतिक संस्कृति (जैसे, विश्वास, मूल्य, कानून, रीति-रिवाज) अधिक धीमी गति से आगे बढ़ती है।
- **परिणाम:** यह अंतराल या 'अंतराल' सामाजिक कुसमायोजन और समस्याओं को जन्म दे सकता है।

PROFESSORS ADDA

ALL SUBJECT AVAILABLE

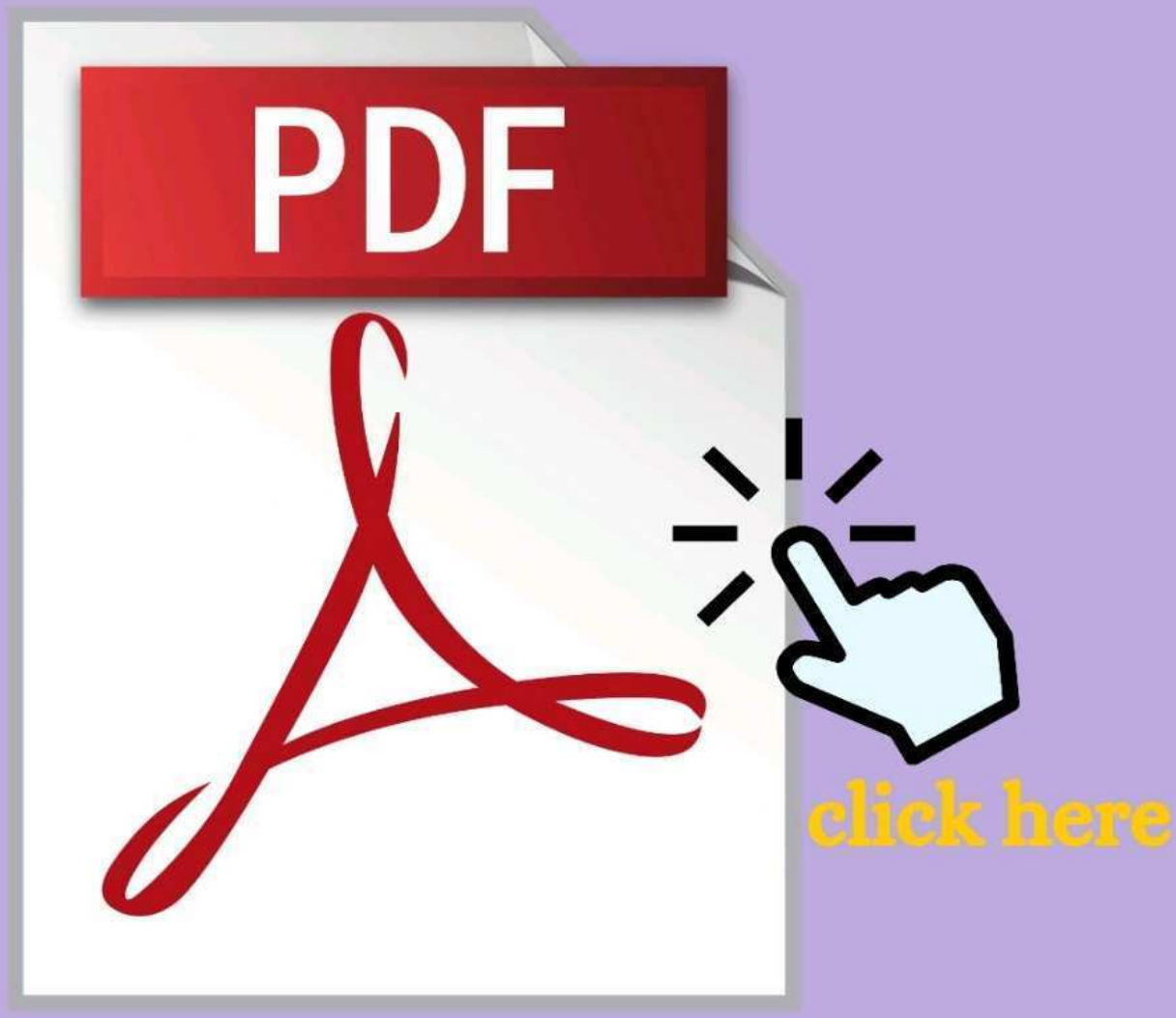

GET FREE UNIT WISE NOTES SAMPLE

+91 7690022111 +91 9216228788

PROFESSORS ADDA

Trusted By Toppers

UGC-NET CSIR PGT SET CUET JRF ASST. PROF

STUDY KIT

COD

SPECIAL PRICE

REGULAR PRICE

~~₹ 5999~~

LIMITED TIME PRICE

₹ ***

click here

+91 7690022111 +91 9216228788

अमृत बुकलेट

PROFESSORS ADDA

यह क्या है, क्यों पढ़ें इसे?

- **AMRIT Booklet** को विषय की सभी प्रमुख पुस्तको से परीक्षा उपयोगी सार निकाल एक जगह **PYQ** पैटर्न पर बनाया गया है । आपको बुक्स नही पढ़नी अब.
- यह सिर्फ एक सामान्य बुकलेट नहीं, बल्कि एक **Top-Level rstudy Tool** है, जिसे विशेष रूप से उन छात्रों के लिए तैयार किया गया है जो तेज़ रिवीजन, **Exam-Time Recall** और **Concept Clarity** चाहते हैं।
- इसमें आपको मिलेगा हर जरूरी टॉपिक का "अमृत निचोड़" — यानी वही बातें जो परीक्षा में बार-बार पूछी जाती हैं।
- यह **Booklet** हर विषय के **Core Concepts, Keywords, Thinkers, Definitions** और **Chronology** को एक जगह समेटती है — और वो भी एकदम **crisp** तरीके से प्रश्न और उत्तर शैली मे ।

🧠 लाभ और विशेषताएँ:

- ✓ Super Quick Revision Tool
- ✓ Exam Time Confidence Booster
- ✓ High Retention Format –
- ✓ 100% Exam-Oriented – No Extra, No Fluff

ALL INDIA RANK

💡 कैसे करें सर्वोत्तम उपयोग?

✅ पहले गाइड से टॉपिक का अमृत पेज पढ़ें
✅ Concepts के साथ-साथ Keywords को याद करें
✅ उसी दिन उस टॉपिक से MCQs हल करें
✅ परीक्षा से पहले सिर्फ इसी से रिवीजन करें — Time Saving, Score Boosting

Bonus Insides

🎯 यह किनके लिए है?

- ✅ **NET / SET/ PGT**
- ✅ **Assistant Professor Candidates**
- ✅ जिन्हे समय कम है लेकिन **Result** चाहिए **Strong** और **SYLLABUS** भी पूरा हो

यह **Booklet** उन सभी के लिए है जो सिर्फ पढ़ना नहीं, "सही पढ़ना" चाहते हैं।

🔑 क्या-क्या मिलेगा इसमें?

- **One Page One Topic Format –** हर पेज पर एक पूरा टॉपिक क्लियर
- **2025** के नवीनतम बदलावों के अनुसार अपडेटेड

PROFESSORS ADDA

📦 Available in Digital PDF + Print Format

📤 अभी बुक करें | DM करें | WhatsApp करें | Link से डाउनलोड करें

sample Notes/
Expert Guidance/Courier Facility Available

Download PROFESSORS ADDA APP

+91 7690022111+91 9216228788

शिक्षाशास्त्र यूजीसी नेट: 50 PYQ-आधारित वन-लाइनर्स

1. प्रश्न: किस दार्शनिक ने अपनी पुस्तक द रिपब्लिक में दार्शनिक-राजाओं द्वारा शासित एक राज्य-नियंत्रित शिक्षा प्रणाली की वकालत की?
   उत्तर: प्लेटो।
2. प्रश्न: 'नकारात्मक शिक्षा' की अवधारणा, जो बच्चे को समाज की बुराइयों से बचाने पर जोर देती है, किस विचारक ने अपनी 1762 की पुस्तक एमील में प्रस्तावित की थी?
   उत्तर: जीन-जैक्स रूसो।
3. प्रश्न: 'किंडरगार्टन' आंदोलन के जनक के रूप में किसे जाना जाता है, जिसे उन्होंने 1837 में जर्मनी में स्थापित किया, जिसमें खेल और आत्म-गतिविधि पर जोर दिया गया?
   उत्तर: फ्रेडरिक फ्रोबेल।
4. प्रश्न: 'व्यवहारवाद' का शैक्षिक दर्शन, जो अनुभव और समस्या-समाधान के माध्यम से सीखने पर जोर देता है, किस अमेरिकी दार्शनिक के साथ सबसे निकटता से जुड़ा है?
   उत्तर: जॉन डेवी।
5. प्रश्न: 'समग्र शिक्षा' का दर्शन, जिसका उद्देश्य शारीरिक, प्राणिक, मानसिक, चैत्य और आध्यात्मिक पहलुओं का समग्र विकास करना है, किस भारतीय द्रष्टा द्वारा दिया गया था?
   उत्तर: श्री अरबिंदो।
6. प्रश्न: अपनी पुस्तक सत्य के साथ मेरे प्रयोग में, किस भारतीय नेता ने 'नई तालीम' या बुनियादी शिक्षा की वकालत की, जिसमें एक उत्पादक शिल्प के माध्यम से सीखने पर जोर दिया गया?
   उत्तर: महात्मा गांधी।

All Subject's Complete Study Material KIT available.
Professor Adda Call WhatsApp Now 7690022111 / 9216228788

7. प्रश्न: किस नोबेल पुरस्कार विजेता ने शांतिनिकेतन में 'विश्व-भारती' विश्वविद्यालय की स्थापना की, जो प्रकृति के साथ सामंजस्य में शिक्षा के विचार पर आधारित था?

उत्तर: रवींद्रनाथ टैगोर।

8. प्रश्न: शिक्षा पर लागू 'प्रकृतिवाद' का शैक्षिक दर्शन किस फ्रांसीसी दार्शनिक के विचारों से सबसे अच्छा उदाहरण है?

उत्तर: जीन-जैक्स रूसो।

9. प्रश्न: 'प्रभाव का नियम', जो बताता है कि संतोष के बाद की जाने वाली प्रतिक्रियाएं मजबूत होती हैं, किसके द्वारा प्रस्तावित 'प्रयास और त्रुटि' के सीखने के सिद्धांत में एक प्रमुख सिद्धांत था?

उत्तर: एडवर्ड थार्नडाइक।

10. प्रश्न: 'क्रियाप्रसूत अनुबंधन' का सिद्धांत, जो व्यवहार को आकार देने के लिए सुदृढीकरण और दंड पर आधारित है, किस अमेरिकी मनोवैज्ञानिक द्वारा व्यवस्थित रूप से विकसित किया गया था?

उत्तर: बी.एफ. स्किनर।

11. प्रश्न: 'सामाजिक अधिगम' का सिद्धांत, जिसमें बोबो डॉल प्रयोग में प्रदर्शित अवलोकनात्मक अधिगम की अवधारणा शामिल है, किसके द्वारा प्रस्तावित किया गया था?

उत्तर: अल्बर्ट बंडुरा।

12. प्रश्न: किसने अपनी 1983 की पुस्तक फ्रेम्स ऑफ माइंड में 'बहु-बुद्धि' सिद्धांत का प्रस्ताव दिया, जिसने एकल सामान्य बुद्धि की पारंपरिक धारणा को चुनौती दी?

उत्तर: हावर्ड गार्डनर।

13. प्रश्न: 'संज्ञानात्मक विकास' का सिद्धांत, जो संवेदी-पेशीय अवस्था से शुरू होने वाले चार अलग-अलग चरणों की रूपरेखा देता है, किस स्विस मनोवैज्ञानिक द्वारा विकसित किया गया था?

उत्तर: जीन पियाजे।

14. प्रश्न: 'समीपस्थ विकास का क्षेत्र' (ZPD), सीखने के समाज-सांस्कृतिक सिद्धांत में एक प्रमुख अवधारणा, किस रूसी मनोवैज्ञानिक द्वारा पेश की गई थी?
उत्तर: लेव वायगोत्स्की।

15. प्रश्न: 'भावनात्मक बुद्धिमत्ता' (EQ) की अवधारणा को 1990 के दशक में किस मनोवैज्ञानिक ने अपनी इसी नाम की सबसे ज्यादा बिकने वाली पुस्तक में लोकप्रिय बनाया?
उत्तर: डेनियल गोलमैन।

16. प्रश्न: किस वर्ष के 'वुड्स डिस्पैच' को अक्सर शिक्षा के लिए अपनी व्यापक योजना के लिए 'भारत में अंग्रेजी शिक्षा का मैग्ना कार्टा' कहा जाता है?
उत्तर: 1854.

17. प्रश्न: भारतीय शिक्षा नीति में 'अधोमुखी निस्यंदन सिद्धांत', जो यह बताता है कि शिक्षा पहले उच्च वर्गों को प्रदान की जानी चाहिए, किस गवर्नर-जनरल के 1835 के मिनट से जुड़ा है?
उत्तर: लॉर्ड मैकाले।

18. प्रश्न: 'कोठारी आयोग' (1964-66) ने एक सामान्य स्कूल प्रणाली और किस प्रसिद्ध "त्रि-भाषा सूत्र" की सिफारिश की?
उत्तर: त्रि-भाषा सूत्र।

19. प्रश्न: राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NPE), जिसने ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड और नवोदय विद्यालय जैसी अवधारणाओं को पेश किया, किस वर्ष शुरू की गई थी?
उत्तर: 1986.

20. प्रश्न: 1993 की 'यश पाल समिति' की रिपोर्ट, जिसने छात्रों पर शैक्षणिक बोझ को कम करने की सिफारिश की, का शीर्षक क्या था?
उत्तर: 'शिक्षा बिना बोझ के'।

21. प्रश्न: राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (NCTE) को भारत में एक सांविधिक निकाय के रूप में किस वर्ष स्थापित किया गया?
उत्तर: 1995.

22. प्रश्न: 'राधाकृष्णन आयोग' (1948-49) को स्वतंत्रता के बाद भारत में शिक्षा

All Subject's Complete Study Material KIT available.
Professor Adda Call WhatsApp Now 7690022111 / 9216228788

के किस स्तर पर रिपोर्ट करने के लिए नियुक्त किया गया था?

उत्तर: विश्वविद्यालय शिक्षा।

23. प्रश्न: पाठ्यचर्या विकास का 'टायलर मॉडल', जो उनकी 1949 की पुस्तक में प्रकाशित हुआ, में कितने मौलिक प्रश्न हैं?

उत्तर: चार।

24. प्रश्न: 'राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा' (NCF), जिसने भारत में नई पाठ्यपुस्तकों और पाठ्यक्रमों के विकास का मार्गदर्शन किया, को NCERT द्वारा अंतिम बार किस वर्ष संशोधित किया गया?

उत्तर: 2005.

25. प्रश्न: 'क्रियात्मक अनुसंधान' मॉडल, जिसमें योजना-कार्य-अवलोकन-चिंतन की एक चक्रीय प्रक्रिया शामिल है, का श्रेय मुख्य रूप से किस सामाजिक मनोवैज्ञानिक को दिया जाता है?

उत्तर: कर्ट लेविन।

26. प्रश्न: 'विकलांग व्यक्ति (समान अवसर, अधिकारों का संरक्षण और पूर्ण भागीदारी) अधिनियम' भारत की संसद द्वारा किस वर्ष अधिनियमित किया गया था?

उत्तर: 1995.

27. प्रश्न: 'भारतीय पुनर्वास परिषद' (RCI) अधिनियम, जो विकलांग व्यक्तियों के लिए सेवाओं को नियंत्रित और निगरानी करता है, किस वर्ष अधिनियमित किया गया था?

उत्तर: 1992.

28. प्रश्न: 'शास्त्रीय अनुबंधन' सिद्धांत का प्रदर्शन कुत्तों के लार पर किए गए प्रयोगों में किस रूसी शरीर-क्रिया-विज्ञानी द्वारा किया गया था?

उत्तर: इवान पावलोव।

29. प्रश्न: पुस्तक पेडागॉजी ऑफ द ऑप्रेस्ड (1968), जो एक आलोचनात्मक शिक्षाशास्त्र की वकालत करती है, किस ब्राजीलियाई शिक्षक द्वारा लिखी गई थी?

उत्तर: पाउलो फ्रेरे।

30. प्रश्न: संज्ञानात्मक डोमेन के लिए 'शैक्षिक उद्देश्यों का वर्गीकरण', जिसमें ज्ञान, समझ और मूल्यांकन जैसे स्तर शामिल हैं, पहली बार 1956 में किसके संपादन में प्रकाशित हुआ था?

उत्तर: बेंजामिन ब्लूम।

31. प्रश्न: 'मुदलियार आयोग' (1952-53) को किस अन्य नाम से भी जाना जाता है, जो शिक्षा के एक विशिष्ट स्तर पर इसके फोकस को दर्शाता है?

उत्तर: माध्यमिक शिक्षा आयोग।

32. प्रश्न: 'अभिक्रमित अनुदेश' की अवधारणा, जो स्व-निर्देशन की एक विधि है, किस मनोवैज्ञानिक के सीखने के सिद्धांतों पर आधारित है?

उत्तर: बी.एफ. स्किनर।

33. प्रश्न: 'अस्तित्ववाद' का दर्शन, जो व्यक्तिगत स्वतंत्रता, जिम्मेदारी और व्यक्तिपरकता पर जोर देता है, शिक्षा में किन विचारकों द्वारा दर्शाया गया है?

उत्तर: जीन-पॉल सार्त्र।

34. प्रश्न: सीखने का 'क्षेत्र सिद्धांत', जो व्यवहार को व्यक्ति और उसके मनोवैज्ञानिक वातावरण (जीवन-अवकाश) के कार्य के रूप में वर्णित करता है, किसके द्वारा प्रस्तावित किया गया था?

उत्तर: कर्ट लेविन।

35. प्रश्न: 'राष्ट्रीय शिक्षा का 8-वर्षीय कार्यक्रम' किस समिति की सिफारिश थी, जिसका गठन 1944 में सर जॉन सार्जेंट की अध्यक्षता में किया गया था?

उत्तर: सार्जेंट समिति।

36. प्रश्न: 'बच्चों का निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार' (RTE) अधिनियम भारत की संसद द्वारा किस वर्ष अधिनियमित किया गया?

उत्तर: 2009.

37. प्रश्न: 'जी फैक्टर' या सामान्य बुद्धि की अवधारणा किस मनोवैज्ञानिक द्वारा प्रस्तावित की गई थी?

उत्तर: चार्ल्स स्पीयरमैन।

38. प्रश्न: 'अंतर्दृष्टिपूर्ण अधिगम' सिद्धांत, जिसे चिंपैंजी (जैसे, सुल्तान) पर प्रयोगों

द्वारा प्रदर्शित किया गया, किस मनोविज्ञान के स्कूल का एक प्रमुख योगदान है?
उत्तर: गेस्टाल्ट मनोविज्ञान (वोल्फगैंग कोहलर)।

39. प्रश्न: 'इग्नू' (इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय), दूरस्थ शिक्षा के लिए एक केंद्रीय विश्वविद्यालय, की स्थापना नई दिल्ली में किस वर्ष हुई?
उत्तर: 1985.

40. प्रश्न: दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लिए 'ब्रेल' के रूप में सामान्यतः ज्ञात प्रणाली, 19वीं शताब्दी में किस फ्रांसीसी शिक्षक द्वारा विकसित की गई थी?
उत्तर: लुई ब्रेल।

41. प्रश्न: सांख्यिकी में, 'टी-टेस्ट' 1908 में विलियम सीली गॉसेट द्वारा पेश किया गया था, जिन्होंने किस छद्म नाम से प्रकाशन किया?
उत्तर: स्टूडेंट।

42. प्रश्न: भारत के 'विश्वविद्यालय अनुदान आयोग' (UGC) को औपचारिक रूप से संसद के एक अधिनियम द्वारा किस वर्ष एक सांविधिक निकाय के रूप में स्थापित किया गया था?
उत्तर: 1956.

43. प्रश्न: 'सांस्कृतिक पिछड़ापन' की अवधारणा किस अमेरिकी समाजशास्त्री ने अपनी 1922 की पुस्तक सोशल चेंज में पेश की?
उत्तर: विलियम एफ. ऑग्बर्न।

44. प्रश्न: 'सूक्ष्म शिक्षण' तकनीक को पहली बार 1960 के दशक की शुरुआत में किस अमेरिकी विश्वविद्यालय में विकसित किया गया था?
उत्तर: स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय (ड्वाइट डब्ल्यू. एलन)।

45. प्रश्न: 'समग्र शिक्षा' योजना भारत सरकार द्वारा किन तीन केंद्र प्रायोजित योजनाओं को मिलाकर शुरू की गई थी?
उत्तर: सर्व शिक्षा अभियान (SSA), राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (RMSA), और शिक्षक शिक्षा (TE)।

46. प्रश्न: 'राष्ट्रीय ज्ञान आयोग' (2006-2009), जिसने शिक्षा के लिए व्यापक सिफारिशें कीं, की अध्यक्षता किसने की?

उत्तर: सैम पित्रोदा।

47. प्रश्न: पुस्तक डीस्कूलिंग सोसाइटी (1971), जो संस्थागत शिक्षा की आलोचना करती है, किस कट्टरपंथी विचारक द्वारा लिखी गई थी?

उत्तर: इवान इलिच।

48. प्रश्न: 'चावल गहनता प्रणाली' (SRI) का उपयोग अक्सर विस्तार शिक्षा में एक उदाहरण के रूप में किया जाता है। इसके विकास का श्रेय किस देश को दिया जाता है?

उत्तर: मेडागास्कर (हेनरी डी लौलानी द्वारा)।

49. प्रश्न: भारत में पहला 'मुक्त विश्वविद्यालय' 1982 में किस शहर में स्थापित किया गया था, और अब इसका नाम डॉ. बी.आर. अंबेडकर के नाम पर है?

उत्तर: हैदराबाद।

50. प्रश्न: 'संव्यवहारत्मक विश्लेषण' सिद्धांत, जिसमें माता-पिता, वयस्क और बच्चे के अहंकार की स्थिति होती है, 1950 के दशक में किस मनोचिकित्सक द्वारा विकसित किया गया था?

उत्तर: एरिक बर्न।

Topper's Tool Kit 2025

Topper's Tool Kit 2025

🧠 Benefits & Features:

- ✅ **Core Concepts** – हर टॉपिक का सार, आसान भाषा में
- ✅ **Key Thinkers & Theories** – नाम + विचार + साल = सब याद रहेगा
- ✅ **Important Books** – वही किताबें, जो **exams** मे आती **year** सहित
- ✅ **Flow Charts** – हर जटिल टॉपिक को **1** पेज में समझो
- ✅ **Mind Maps** – तेज़ रिविजन के लिए **Visual Recall Hack**

PROFESSORS ADDA

Topper बनने और "Smart Study का असली formula"

🧠क्यों महत्वपूर्ण है

विषय की नींव और आधार होते है विचारक और **concepts.** हर बार जरूर सवाल बनते है **UGC NET exam** से **interview** तक

ALL INDIA RANK

📢 Topper बनना है? Toolkit है जवाब!

📦 Format: Digital PDF + Optional Print
📅 Latest Update: May 2025 तक

🚀 टॉपर्स इस पर भरोसा क्यों करते हैं?

- **No Guesswork** – सिर्फ **Exam-Oriented** कंटेंट
- **Visual Learning** = तेज़ **Revision**
- टाइम बचे, स्कोर बढ़े
- घर बैठे **Smart Preparation**

PROFESSORS ADDA

📦 Available in Digital PDF + Print Format

📤 Book Now | DM | WhatsApp | Download from the link

sample Notes/
Expert Guidance/Courier Facility Available

Download PROFESSORS ADDA APP

+91 7690022111+91 9216228788

शिक्षाशास्त्र विचारक टूल किट SAMPLE

1. स्वामी विवेकानन्द (1863-1902)

परिचय

- एक भारतीय हिन्दू भिक्षु, दार्शनिक और 19वीं सदी के रहस्यवादी रामकृष्ण के प्रमुख शिष्य।
- पश्चिमी दुनिया में भारतीय दर्शन वेदांत और योग को पेश करने में एक प्रमुख व्यक्ति थे।
- उन्हें 19वीं सदी के अंत में अंतर-धार्मिक जागरूकता बढ़ाने और हिंदू धर्म को एक प्रमुख विश्व धर्म का दर्जा दिलाने का श्रेय दिया जाता है।[2]
- उनका शैक्षिक दर्शन वेदांत में गहराई से निहित है और इसका उद्देश्य व्यक्ति का समग्र विकास है।
- उन्होंने शिक्षा को "मनुष्य में पहले से ही विद्यमान पूर्णता की अभिव्यक्ति" के रूप में परिभाषित किया।

महत्वपूर्ण अवधारणाएं

- **मानव निर्माण शिक्षा:** यह उनके शैक्षिक दर्शन का केंद्रीय उद्देश्य है। उनका मानना था कि शिक्षा एक ऐसी प्रक्रिया होनी चाहिए जो व्यक्ति के चरित्र, शक्ति, बुद्धि और आत्मनिर्भरता को विकसित करे और एक संपूर्ण मानव का निर्माण करे।
- **अभिव्यक्ति के रूप में शिक्षा:** विवेकानंद ने जोर देकर कहा कि सभी ज्ञान व्यक्तिगत आत्मा में अंतर्निहित हैं; शिक्षा की प्रक्रिया केवल इस पूर्णता और ज्ञान को "उजागर" या "प्रकट" करना है।
- **स्व-शिक्षा:** उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बच्चा खुद को शिक्षित करता है। शिक्षक की भूमिका जानकारी देना नहीं है, बल्कि एक सुविधाकर्ता या मार्गदर्शक के रूप में कार्य करना है, जिससे बच्चे को खुद से सीखने और चीजों की खोज करने में मदद मिले।
- **सकारात्मक शिक्षा:** उन्होंने शिक्षा के प्रति सकारात्मक और उत्साहवर्धक दृष्टिकोण की वकालत की, छात्रों की नकारात्मक आलोचना की कड़ी निंदा की। उनका मानना था कि छात्रों की ताकत पर ही विकास होना चाहिए।
- **मन की एकाग्रता:** वे एकाग्रता (एकाग्रता) को सभी शिक्षाओं का सार मानते थे। उनका मानना था कि मन को एकाग्र करने की शक्ति ही ज्ञान प्राप्ति की कुंजी है।
- **चरित्र निर्माण:** उनके लिए, जानकारी इकट्ठा करने से ज़्यादा महत्वपूर्ण था श्रेष्ठ विचारों को आत्मसात करना। शिक्षा का लक्ष्य एक मज़बूत नैतिक चरित्र का निर्माण करना है।
- **विज्ञान और वेदांत का एकीकरण:** उन्होंने एक ऐसी शिक्षा की वकालत की जो संतुलित व्यक्ति के निर्माण के लिए पश्चिमी विज्ञान और प्रौद्योगिकी को वेदांत की आध्यात्मिक और दार्शनिक विरासत के साथ जोड़ती हो।

सभी विषयों की सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री किट उपलब्ध है।
प्रोफेसर अड्डा अभी व्हाट्सएप पर कॉल करें 7690022111 / 9216228788

- **जन-सामान्य के लिए शिक्षा:** वे जन-शिक्षा के प्रबल समर्थक थे, उनका मानना था कि यह भारत के उत्थान के लिए आवश्यक है। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं और गरीबों को शिक्षित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।
- **शारीरिक शिक्षा: उन्होंने शारीरिक शक्ति के महत्व पर जोर देते हुए कहा था कि, "आप** गीता के अध्ययन की अपेक्षा फुटबॉल के माध्यम से स्वर्ग के अधिक निकट होंगे ।"

प्रमुख प्रकाशन पुस्तकें

- **राज योग (1896):** यह पुस्तक पतंजलि के योग सूत्र की उनकी व्याख्या प्रदान करती है और मन को नियंत्रित करने और अपने वास्तविक स्वरूप को समझने के व्यावहारिक तरीकों की व्याख्या करती है।
- **कर्म योग (1896):** उनके व्याख्यानों का संग्रह, यह पुस्तक आध्यात्मिक मुक्ति के मार्ग के रूप में निस्वार्थ कर्म (कर्म योग) के दर्शन को समझाती है।
- **ज्ञान योग (मरणोपरांत 1902 में प्रकाशित):** "ज्ञान के मार्ग" (ज्ञान योग) पर व्याख्यानों का एक संग्रह, जो वेदान्त की मूल दार्शनिक अवधारणाओं से संबंधित है।
- **कोलंबो से अल्मोड़ा तक व्याख्यान (1897):** पश्चिम से लौटने के बाद दिए गए उनके भाषणों का संग्रह, जिसमें शिक्षा और आध्यात्मिक नवीनीकरण के माध्यम से भारत के पुनरुद्धार की उनकी योजना की रूपरेखा दी गई है।

तथ्य

- संन्यासी बनने से पहले स्वामी विवेकानंद (तत्कालीन नरेन्द्रनाथ) दत्ता) कलकत्ता के स्कॉटिश चर्च कॉलेज में पश्चिमी तर्कशास्त्र, दर्शन और इतिहास के छात्र थे और शुरू में धार्मिक परंपराओं के प्रति संशयी थे।

2. रवींद्रनाथ टैगोर (1861-1941)

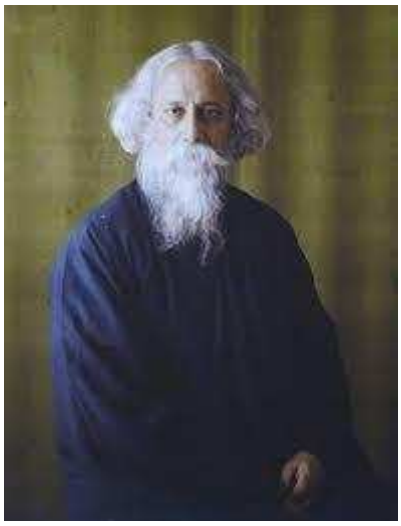

परिचय

- एक बंगाली कवि, लेखक, संगीतकार, दार्शनिक और चित्रकार जिन्होंने बंगाली साहित्य और संगीत को नया रूप दिया।
- पुरस्कार जीतने वाले पहले गैर-यूरोपीय थे । गीतांजलि .
- रटंत शिक्षा और पारंपरिक कक्षा शिक्षा के एक प्रमुख आलोचक, जिसे उन्होंने "कारागार" के रूप में वर्णित किया।
- उन्होंने आधुनिक शिक्षा के विकल्प के रूप में शांतिनिकेतन में विश्वभारती विश्वविद्यालय की स्थापना की , जिसमें प्राकृतिक वातावरण में समग्र विकास पर जोर दिया गया।
- उनका शैक्षिक दर्शन पूर्वी आध्यात्मिक मूल्यों और पश्चिमी वैज्ञानिक अन्वेषण का संश्लेषण है।

महत्वपूर्ण अवधारणाएं

- **प्रकृति में शिक्षा:** टैगोर का मानना था कि प्रकृति सबसे अच्छी शिक्षक है। उन्होंने बच्चों और प्राकृतिक दुनिया के बीच संबंध को बढ़ावा देने के लिए पेड़ों के नीचे, बाहर कक्षाएं आयोजित करने की वकालत की।
- **स्वतंत्रता और सहजता:** उन्होंने तर्क दिया कि शिक्षा एक आनंदमय और सहज प्रक्रिया होनी चाहिए, न कि एक कठोर, अनुशासित प्रक्रिया। उन्होंने बच्चे को अपनी गति और रुचि के अनुसार बढ़ने और सीखने की स्वतंत्रता प्रदान करने पर जोर दिया।
- **रचनात्मक आत्म-अभिव्यक्ति:** शिक्षा का सर्वोच्च लक्ष्य बच्चे को रचनात्मक आत्म-अभिव्यक्ति प्राप्त करने में मदद करना है। उन्होंने अपने पाठ्यक्रम में कला, संगीत, नृत्य और नाटक को बहुत महत्व दिया।
- **समग्र विकास:** उनके शैक्षिक मॉडल का लक्ष्य बच्चे के व्यक्तित्व के शारीरिक, बौद्धिक, सौंदर्य और नैतिक पहलुओं का सामंजस्यपूर्ण विकास करना था।
- **अंतर्राष्ट्रीयतावाद (विश्व-भारती):** उन्होंने आदर्श वाक्य यात्रा के साथ विश्व-भारती की स्थापना की विश्वं भवत्येकनीदम ("जहाँ पूरी दुनिया एक ही घोंसले में मिलती है")। उन्होंने इसे अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान और समझ के लिए एक स्थान के रूप में देखा।
- **सक्रिय शिक्षण:** वे कार्य करके तथा वास्तविक जीवन से जुड़ी गतिविधियों, जैसे हस्तशिल्प और ग्रामीण पुनर्निर्माण परियोजनाओं के माध्यम से सीखने के पक्षधर थे।
- **रटने की पद्धति की अस्वीकृति:** टैगोर ने तथ्यों को यांत्रिक ढंग से याद करने का कड़ा विरोध किया, क्योंकि उनका मानना था कि इससे बच्चों की स्वाभाविक जिज्ञासा और रचनात्मकता का दमन होता है।
- **मार्गदर्शक के रूप में शिक्षक:** शिक्षक की भूमिका निर्देश देना नहीं है, बल्कि छात्र की स्वयं की खोज की प्रक्रिया को निर्देशित करना और प्रेरित करना है।

प्रमुख प्रकाशन पुस्तकें

- **गीतांजलि (गीत अर्पण) (1912):** कविताओं का वह संग्रह जिसने उन्हें नोबेल पुरस्कार दिलाया और उनकी मानवतावादी और आध्यात्मिक दृष्टि को दुनिया के सामने लाया।
- **घर और दुनिया (1916):** एक उपन्यास जो परंपरा और आधुनिकता, राष्ट्रवाद और सार्वभौमिक मानवतावाद के बीच तनाव का पता लगाता है, जो उनकी व्यापक दार्शनिक चिंताओं को दर्शाता है।

सभी विषयों की सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री किट उपलब्ध है।
प्रोफेसर अड्डा अभी व्हाट्सएप पर कॉल करें 7690022111 / 9216228788

- **तोते का प्रशिक्षण (1918):** एक लघु, व्यंग्यात्मक रूपक जो यांत्रिक, रटंत-आधारित शिक्षा की निरर्थकता और क्रूरता की सशक्त आलोचना करता है।
- **मनुष्य का धर्म (1931):** ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में दिए गए व्याख्यानों का संग्रह, जिसमें उन्होंने अपने मानवतावादी दर्शन और "मनुष्य में ईश्वर" की सार्वभौमिकता में अपने विश्वास को रेखांकित किया है।

तथ्य

- रवींद्रनाथ टैगोर ने दो देशों के लिए राष्ट्रगान की रचना की: "जन गण" भारत के लिए " मन " और " अमर" सोनार बांग्लादेश के लिए " बांग्ला "।

3. जॉन डेवी (1859-1952)

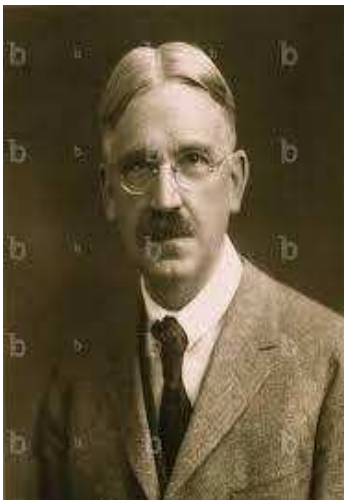

परिचय

- एक अमेरिकी दार्शनिक, मनोवैज्ञानिक और शिक्षा सुधारक।
- वे व्यवहारवाद के दार्शनिक आंदोलन में अग्रणी व्यक्ति थे और कार्यात्मक मनोविज्ञान के अग्रदूत थे।
- उन्हें आधुनिक शिक्षा सिद्धांत में सबसे प्रभावशाली व्यक्तियों में से एक माना जाता है।
- उनका शिक्षा दर्शन, जिसे अक्सर "प्रगतिवाद" कहा जाता है, व्यावहारिक, अनुभव-आधारित शिक्षा पर जोर देता है।
- उन्होंने सामाजिक सुधार और लोकतंत्र को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा को एक उपकरण के रूप में इस्तेमाल करने की वकालत की।

महत्वपूर्ण अवधारणाएं

- **व्यावहारिकता:** दार्शनिक मान्यता है कि किसी विचार का मूल्य और सत्य उसके व्यावहारिक परिणामों में निहित है। शिक्षा में, इसका मतलब है कि इस बात पर ध्यान केंद्रित करना कि क्या काम करता है और वास्तविक समस्याओं को हल करने के लिए क्या उपयोगी है ।
- **"करके सीखना":** यह डेवी के शैक्षिक दर्शन की आधारशिला है। उन्होंने तर्क दिया कि छात्र प्रत्यक्ष अनुभव और अपने पर्यावरण के साथ सक्रिय जुड़ाव के माध्यम से सबसे अच्छा सीखते हैं।
- **अनुभव के रूप में शिक्षा:** डेवी ने शिक्षा को "अनुभव के पुनर्निर्माण या पुनर्गठन के रूप में परिभाषित किया है जो अनुभव के अर्थ को बढ़ाता है , [4] और जो बाद के अनुभव के पाठ्यक्रम को निर्देशित करने की क्षमता बढ़ाता है।"
- **एक लघु समाज के रूप में स्कूल:** उनका मानना था कि स्कूल को समाज से अलग नहीं होना चाहिए, बल्कि एक लघु लोकतांत्रिक समुदाय के रूप में कार्य करना चाहिए, जहां छात्र सामाजिक जीवन और सहयोग के कौशल सीख सकें।
- **समस्या समाधान विधि:** उन्होंने पूर्व-निर्धारित विषय-वस्तु को याद करने के बजाय वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने पर आधारित पाठ्यक्रम की वकालत की। इसमें पाँच-चरणीय प्रक्रिया शामिल है: समस्या की पहचान करना, निरीक्षण करना, परिकल्पना बनाना, परीक्षण करना और लागू करना।
- **बाल-केंद्रित शिक्षा:** हालाँकि उन्होंने बच्चे की रुचियों और अनुभवों पर ज़ोर दिया, लेकिन उन्होंने पूरी तरह से असंरचित दृष्टिकोण की वकालत नहीं की। उनका मानना था कि बच्चे की स्वाभाविक प्रवृत्ति को शैक्षिक लक्ष्यों की ओर निर्देशित किया जाना चाहिए।
- **लोकतंत्र के लिए शिक्षा:** डेवी ने शिक्षा और लोकतंत्र को आंतरिक रूप से जुड़ा हुआ माना। उन्होंने तर्क दिया कि शिक्षा का उद्देश्य सूचित, आलोचनात्मक और जिम्मेदार नागरिक बनाना है जो लोकतांत्रिक समाज में प्रभावी रूप से भाग ले सकें।
- **द्वैतवाद की अस्वीकृति:** उन्होंने दार्शनिक द्वैतवाद को दृढ़ता से अस्वीकार कर दिया, जो मन और शरीर, सिद्धांत और व्यवहार, विचार और क्रिया, तथा स्कूल और समाज को अलग करता था।

प्रमुख प्रकाशन पुस्तकें

- **स्कूल और समाज (1899):** इस प्रारंभिक कार्य में, डेवी ने स्कूल को एक सामाजिक संस्था के रूप में

देखने का अपना दृष्टिकोण रेखांकित किया है जिसे समुदाय के जीवन के साथ एकीकृत किया जाना चाहिए।

- **लोकतंत्र और शिक्षा: शिक्षा के दर्शन का परिचय (1916):** यह शिक्षा पर उनकी सबसे व्यापक और प्रसिद्ध रचना है। इसमें तर्क दिया गया है कि शिक्षा का प्राथमिक लक्ष्य लोकतांत्रिक समाज के लिए नागरिकों को तैयार करना है।
- **अनुभव और शिक्षा (1938):** इस बाद के कार्य में, डेवी अपने अनुभव के सिद्धांत का संक्षिप्त सारांश प्रस्तुत करते हैं और पारंपरिक और प्रगतिशील शिक्षा दोनों की ज्यादतियों की आलोचना करते हैं।

तथ्य

- जॉन डेवी, नेशनल एसोसिएशन फॉर द एडवांसमेंट ऑफ कलर्ड पीपल (एनएएसीपी) के संस्थापक सदस्यों में से एक थे, जो संयुक्त राज्य अमेरिका में एक प्रमुख नागरिक अधिकार संगठन है।

4. प्लेटो (लगभग 428-348 ईसा पूर्व)

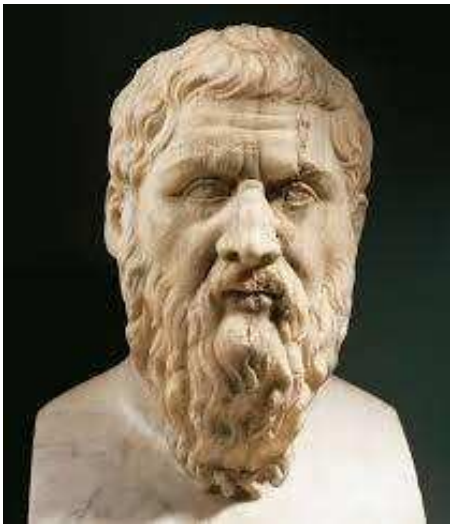

परिचय

- एक प्राचीन यूनानी दार्शनिक, जिन्होंने अपने गुरु सुकरात और अपने शिष्य अरस्तू के साथ मिलकर पश्चिमी संस्कृति की दार्शनिक नींव रखी।
- उन्होंने एथेंस में अकादमी की स्थापना की, जो पश्चिमी दुनिया में उच्च शिक्षा का पहला संस्थान था।
- उनका शैक्षिक दर्शन उनके तत्वमीमांसा (रूपों का सिद्धांत) और उनके राजनीतिक दर्शन के साथ गहराई से जुड़ा हुआ है।
- उनका मानना था कि शिक्षा का अंतिम उद्देश्य "अच्छाई" का ज्ञान प्राप्त करना और दार्शनिक-राजाओं द्वारा शासित न्यायपूर्ण और स्थिर राज्य का निर्माण करना था।
- उनके विचार संवाद के रूप में प्रस्तुत किये गये हैं, जिसमें सुकरात मुख्य वक्ता हैं।

महत्वपूर्ण अवधारणाएं

- **रूपों (या विचारों) का सिद्धांत:** प्लेटो का मानना है कि भौतिक दुनिया वास्तविक दुनिया नहीं है; इसके बजाय, यह रूपों की कालातीत, निरपेक्ष और अपरिवर्तनीय दुनिया की एक मात्र छाया या प्रतिलिपि है। सच्चा ज्ञान इन रूपों का ज्ञान है।
- **शिक्षा का उद्देश्य:** शिक्षा का प्राथमिक उद्देश्य आत्मा को दिखावटी दुनिया से साकार दुनिया की ओर ले जाना है, जो कि अच्छाई के रूप के ज्ञान में परिणत होती है।
- **राज्य-नियंत्रित शिक्षा:** प्लेटो ने राज्य-नियंत्रित शिक्षा प्रणाली की वकालत की, जो समाज में व्यक्तियों की विशिष्ट भूमिकाओं (उत्पादक, सहायक, या संरक्षक/शासक) की पहचान करने और उन्हें प्रशिक्षित करने के लिए डिज़ाइन की गई थी।
- **न्याय के लिए शिक्षा:** उनका मानना था कि न्यायपूर्ण राज्य वह है जहाँ प्रत्येक वर्ग सामंजस्यपूर्ण ढंग से अपना कार्य करता है। शिक्षा यह सुनिश्चित करने का साधन है कि व्यक्ति अपनी निर्धारित भूमिकाओं के लिए उपयुक्त हैं।
- **दार्शनिक-राजा:** प्लेटो की शिक्षा प्रणाली का शिखर दार्शनिक-राजाओं का निर्माण है - ऐसे शासक जो रूपों का सच्चा ज्ञान रखते हैं और बुद्धिमता और न्याय के साथ शासन कर सकते हैं।
- **पाठ्यक्रम:** प्लेटो ने एक अत्यधिक संरचित और पदानुक्रमित पाठ्यक्रम प्रस्तावित किया। यह आत्मा और शरीर के लिए संगीत और जिम्नास्टिक से शुरू होता है, इसके बाद मन को अमूर्त विचार के लिए प्रशिक्षित करने के लिए गणित (अंकगणित, ज्यामिति, खगोल विज्ञान) और अंत में, अंतिम सत्य की खोज के लिए द्वंद्वात्मकता (दर्शन) शामिल है।
- **गुफा का रूपक:** रिपब्लिक से एक प्रसिद्ध रूपक जो शिक्षा के बारे में प्लेटो के दृष्टिकोण को दर्शाता है। यह एक गुफा में कैदियों को छाया को वास्तविकता समझने की गलती करते हुए दर्शाता है। शिक्षा गुफा से मुक्त होने और वास्तविक दुनिया (रूपों की दुनिया) के प्रकाश में चढ़ने की दर्दनाक प्रक्रिया है।
- **अवसर की समानता (संरक्षकों के लिए):** संरक्षक वर्ग के भीतर, प्लेटो ने पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए समान शैक्षिक अवसरों का तर्क दिया, जो उस समय के लिए एक क्रांतिकारी विचार था।

प्रमुख प्रकाशन पुस्तकें

- **गणतंत्र (लगभग 375 ई.पू.):** प्लेटो की सबसे प्रसिद्ध रचना, जिसमें आदर्श राज्य के बारे में उनकी परिकल्पना, न्याय का सिद्धांत, दार्शनिक-राजा की अवधारणा और शिक्षा के बारे में उनका व्यापक सिद्धांत शामिल है।
- **कानून (लगभग 348 ई.पू.): यह** उनके अंतिम और सबसे लंबे संवादों में से एक है, जो द रिपब्लिक की तुलना में राज्य और उसकी शिक्षा प्रणाली के बारे में अधिक व्यावहारिक और कम आदर्शवादी दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है।
- **मेनो (लगभग 385 ई.पू.):** एक संवाद जो सद्गुण की प्रकृति और प्रसिद्ध विरोधाभास की खोज करता है कि कोई व्यक्ति उस चीज़ की खोज नहीं कर सकता जिसे वह नहीं जानता। यह इस सिद्धांत का परिचय देता है कि सभी सीखना स्मरण (एनामनेसिस) का एक रूप है।

तथ्य

- अरिस्टोकल्स था। उपनाम " प्लेटो " का अर्थ है "चौड़ा" या "विस्तृत", संभवतः उनके चौड़े कंधों या उनके चौड़े माथे का संदर्भ देता है।

5. जीन-जैक्स रूसो (1712-1778)

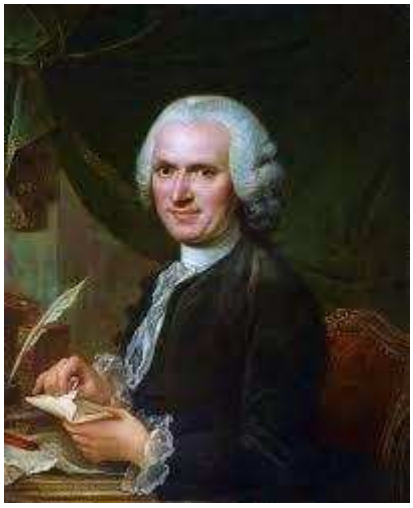

परिचय

- जिनेवा के एक दार्शनिक, लेखक और संगीतकार जिनके विचारों ने ज्ञानोदय, फ्रांसीसी क्रांति और आधुनिक राजनीतिक, आर्थिक और शैक्षिक विचारों के विकास को प्रभावित किया।
- वह अपने "कुलीन असभ्य" सिद्धांत तथा मानव की जन्मजात अच्छाई में विश्वास के लिए प्रसिद्ध हैं।
- उन्होंने तर्क दिया कि समाज, अपनी कृत्रिम बाधाओं और असमानताओं के कारण, व्यक्ति को भ्रष्ट करता है।
- एमिल में उल्लिखित उनका शैक्षिक दर्शन, एक "प्राकृतिक" शिक्षा के लिए एक क्रांतिकारी आह्वान है जो बच्चे को समाज के भ्रष्ट प्रभावों से बचाता है।

महत्वपूर्ण अवधारणाएं

- **प्रकृतिवाद:** रूसो का मुख्य शैक्षिक सिद्धांत। उनका मानना था कि शिक्षा को मानव विकास के प्राकृतिक मार्ग का अनुसरण करना चाहिए और बच्चों को प्रकृति और अपने स्वयं के अनुभवों से सीखने की अनुमति दी जानी चाहिए।
- **बच्चे की जन्मजात अच्छाई:** मूल पाप के प्रचलित दृष्टिकोण के विपरीत, रूसो ने तर्क दिया कि बच्चे स्वाभाविक रूप से अच्छे पैदा होते हैं। यह समाज ही है जो उन पर बुराइयाँ थोपता है।
- **नकारात्मक शिक्षा:** बच्चे के जीवन के शुरुआती वर्षों के लिए, रूसो ने "नकारात्मक" शिक्षा की वकालत की। इसका मतलब है कि बच्चे को सीधे तौर पर गुण या सच्चाई नहीं सिखाई जाए, बल्कि "दिल को बुराई से और दिमाग को गलतियों से बचाया जाए।" इसका लक्ष्य बच्चे की स्वाभाविक अच्छाई को बिना किसी भ्रष्टाचार के प्रकट होने देना है।
- **विकास के चरणों के अनुसार शिक्षा:** वह यह सुझाव देने वाले पहले लोगों में से एक थे कि शिक्षा को बच्चे के विकास के विशिष्ट चरणों (शैशवावस्था, बाल्यावस्था, पूर्वकिशोरावस्था, किशोरावस्था) के अनुरूप बनाया जाना चाहिए।
- **अनुभव से सीखना:** उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि बच्चों को किताबों या मौखिक निर्देशों के बजाय प्रत्यक्ष अनुभव और खोज के ज़रिए सीखना चाहिए। उदाहरण के लिए, एक बच्चे को अपनी फलियाँ खुद उगाकर संपत्ति के बारे में सीखना चाहिए।
- **सामाजिक रूढ़ि की अस्वीकृति:** वे अपने समय के कृत्रिम तौर-तरीकों और सामाजिक रूढ़ियों के अत्यधिक आलोचक थे, उनका मानना था कि ये प्रामाणिक मानवीय अभिव्यक्ति को दबाते हैं।
- **"नोबल सैवेज":** यह विचार कि अपनी प्राकृतिक अवस्था में, सभ्यता से अप्रभावित, मनुष्य स्वाभाविक रूप से अच्छे, खुश और स्वतंत्र होते हैं।
- **शिक्षक की भूमिका:** शिक्षक की मुख्य भूमिका पढ़ाना नहीं है, बल्कि एक सावधानीपूर्वक नियंत्रित वातावरण तैयार करना है, जिसमें बच्चा बिना किसी नुकसान या भ्रष्टता के प्रकृति और अनुभव से सीख सके।

प्रमुख प्रकाशन पुस्तकें

- **एमिल , या शिक्षा पर (1762): यह शिक्षा पर उनका सबसे महत्वपूर्ण काम है। यह एक अर्ध-काल्पनिक**

उपन्यास है जो रूसो के प्रकृतिवादी सिद्धांतों के अनुसार बचपन से वयस्कता तक एमिल नामक एक लड़के के विकास और शिक्षा का पता लगाता है।

- **सामाजिक अनुबंध (1762):** राजनीतिक दर्शन पर उनकी प्रसिद्ध रचना जो नाटकीय पंक्ति से शुरू होती है, "मनुष्य स्वतंत्र पैदा होता है, और हर जगह वह जंजीरों में जकड़ा हुआ है।" यह वैध राजनीतिक अधिकार के आधार के रूप में "सामान्य इच्छा" की अवधारणा की खोज करता है।
- **पुरुषों के बीच असमानता की उत्पत्ति और आधार पर प्रवचन (1755):** एक निबंध जिसमें उन्होंने तर्क दिया कि निजी संपत्ति की अवधारणा सामाजिक असमानता और भ्रष्टाचार का प्राथमिक स्रोत है।

तथ्य

- एमिल और द सोशल कॉन्ट्रैक्ट में रूसो के कट्टरपंथी विचारों की पेरिस और जेनेवा दोनों में अधिकारियों द्वारा निंदा की गई। उनकी किताबें जला दी गईं, और उनकी गिरफ्तारी का वारंट जारी किया गया, जिससे उन्हें भागने और कई सालों तक भगोड़े के रूप में रहने के लिए मजबूर होना पड़ा।

1. स्वामी विवेकानन्द (1863-1902)

वर्ग	विवरण
संक्षिप्त परिचय	भारतीय दार्शनिक और आध्यात्मिक नेता; जिन्होंने पश्चिम को भारतीय दर्शन से परिचित कराया।
महत्वपूर्ण अवधारणाएं	- व्यावहारिक वेदांत - सार्वभौमिक धर्म - चरित्र निर्माण हेतु शिक्षा
प्रमुख पुस्तकें	- ज्ञान योग (1899) - कर्म योग (1896)
तथ्य	- 1893 में विश्व धर्म संसद में दिए गए भाषण ने उन्हें विश्व स्तर पर पहचान दिलाई।

2. रवींद्रनाथ टैगोर (1861-1941)

वर्ग	विवरण
संक्षिप्त परिचय	भारतीय बहुश्रुत एवं साहित्य में नोबेल पुरस्कार विजेता; प्रगतिशील शिक्षा के अग्रदूत।
महत्वपूर्ण अवधारणाएं	- समग्र शिक्षा - प्रकृति के माध्यम से सीखना - आत्म-अभिव्यक्ति
प्रमुख पुस्तकें	- शिक्षा (1906) - गीतांजलि (1910)
तथ्य	- शिक्षा में स्वतंत्रता पर ध्यान केंद्रित करते हुए विश्वभारती विश्वविद्यालय की स्थापना की।

3. जॉन डेवी (1859-1952)

वर्ग	विवरण
संक्षिप्त परिचय	अमेरिकी दार्शनिक और शिक्षक; प्रगतिशील शिक्षा के जनक।
महत्वपूर्ण अवधारणाएं	- करके सीखना - लोकतंत्र और शिक्षा - व्यावहारिकता
प्रमुख पुस्तकें	- लोकतंत्र और शिक्षा (1916) - अनुभव और शिक्षा (1938)
तथ्य	- अनुभवात्मक शिक्षा और छात्र-केंद्रित शिक्षा की वकालत की।

4. प्लेटो (लगभग 428-348 ईसा पूर्व)

वर्ग	विवरण
संक्षिप्त परिचय	प्राचीन यूनानी दार्शनिक; सुकरात के शिष्य और अरस्तू के शिक्षक।
महत्वपूर्ण अवधारणाएं	- रूपों का सिद्धांत - आदर्शवाद - समाज की भलाई के लिए शिक्षा
प्रमुख पुस्तकें	- गणतंत्र (लगभग 380 ई.पू.) - कानून (लगभग 347 ई.पू.)
तथ्य	- एथेंस में अकादमी की स्थापना की, जो उच्च शिक्षा के प्रथम संस्थानों में से एक था।

5. जीन-जैक्स रूसो (1712-1778)

वर्ग	विवरण
संक्षिप्त परिचय	स्विस-फ्रांसीसी दार्शनिक; बच्चों में प्राकृतिक विकास पर जोर दिया।
महत्वपूर्ण अवधारणाएं	- प्राकृतिक शिक्षा - सामाजिक अनुबंध सिद्धांत - बचपन पर जोर
प्रमुख पुस्तकें	- एमिल , या शिक्षा पर (1762) - सामाजिक अनुबंध (1762)
तथ्य	- इसे आधुनिक बाल-केन्द्रित शिक्षा का अग्रदूत माना जाता है।

शिक्षाशास्त्र महत्वपूर्ण पुस्तकें एवं तालिका

1. लोकतंत्र और शिक्षा (1916) - जॉन डेवी : प्रगतिवाद का एक आधारभूत ग्रंथ, जिसमें तर्क दिया गया कि शिक्षा लोकतांत्रिक समाज के लिए आवश्यक है और इसे अनुभव और समस्या-समाधान पर आधारित होना चाहिए।
2. हिंद स्वराज (1909) - महात्मा गांधी : आधुनिक पश्चिमी सभ्यता की गांधी की आलोचना को रेखांकित करता है और ' नई दुनिया' पर उनके विचारों के दार्शनिक बीज शामिल हैं। तालीम या बुनियादी शिक्षा।
3. बुनियादी शिक्षा (वर्धा योजना) (1937) - महात्मा गांधी : एक योजना जो जीवन और कार्य के साथ सीखने को जोड़ने के लिए एक उत्पादक शिल्प पर केंद्रित एक स्वावलंबी शिक्षा का प्रस्ताव करती है ।
4. मोंटेसरी पद्धति (1912) - मारिया मोंटेसरी : विशेष रूप से डिजाइन की गई शिक्षण सामग्री के साथ बाल-नेतृत्व वाली, स्व-निर्देशित गतिविधि के आधार पर अपने शैक्षिक दर्शन और विधियों को पेश किया।
5. द एब्सॉर्बेंट माइंड (1949) - मारिया मोंटेसरी : जन्म से छह वर्ष की आयु तक के बच्चों की अद्वितीय सीखने की क्षमताओं को समझाता है, तथा तैयार वातावरण के महत्व पर बल देता है।
6. अनुभव और शिक्षा (1938) - जॉन डेवी : डेवी द्वारा बाद में लिखी गई कृति जो उनके अनुभव के सिद्धांत को स्पष्ट करती है और प्रगतिशील शिक्षा की गलत व्याख्याओं के खिलाफ चेतावनी देती है।
7. ऑन एजुकेशन (1926) - बर्ट्रेंड रसेल : एक पुस्तक जो एक ऐसी शिक्षा प्रणाली की वकालत करती है जो आलोचनात्मक सोच, जिज्ञासा और ज्ञान के प्रति प्रेम को बढ़ावा देती है, जो हठधर्मिता से मुक्त है।
8. विश्वभारती (शांतिनिकेतन) (स्थापित 1921) - रवींद्रनाथ टैगोर : टैगोर द्वारा स्थापित एक शैक्षणिक संस्थान, जिसमें पूर्वी और पश्चिमी परंपराओं का सर्वोत्तम मिश्रण किया गया तथा प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करते हुए शिक्षा पर जोर दिया गया।
9. द लाइफ डिवाइन (पुस्तक के रूप में 1939-40 में प्रकाशित) - श्री अरबिंदो : एक दार्शनिक कार्य होने के बावजूद, इसमें उनकी "एकात्म शिक्षा" का आधार निहित है, जिसका उद्देश्य मानव के सभी पहलुओं का विकास करना है।
10. एक विचारधारा के रूप में व्यवहारवाद (1913 से आगे) - जॉन बी. वॉटसन : वॉटसन के प्रसिद्ध "मनोविज्ञान जैसा व्यवहारवादी इसे देखता है" शोधपत्र ने व्यवहारवादी आंदोलन की शुरुआत की, जिसने सीखने को अवलोकनीय व्यवहार परिवर्तन के रूप में देखा।
11. सीखने के नियम (1900 के दशक की शुरुआत) - एडवर्ड एल. थार्नडाइक : कनेक्शनवाद पर उनके कार्य ने सीखने के आधारभूत नियमों का निर्माण किया: तत्परता का नियम, अभ्यास का नियम, और प्रभाव का नियम।
12. शिक्षा में मनोविश्लेषण (1920-40 के दशक) - सिगमंड फ्रायड और अन्ना फ्रायड : शैक्षिक सेटिंग्स में बाल विकास और व्यवहार को समझने के लिए मनोविश्लेषणात्मक अवधारणाओं (जैसे अचेतन, रक्षा तंत्र) का अनुप्रयोग।
13. गेस्टाल्ट मनोविज्ञान (1910-30 के दशक) - मैक्स वर्थाइमर, कर्ट कोफ्का , वोल्फगैंग कोहलर : मनोविज्ञान का एक स्कूल जिसने संपूर्ण की धारणा पर जोर दिया ("संपूर्ण अपने भागों के योग से अलग है") और अंतर्दृष्टि सीखने के सिद्धांतों को प्रभावित किया।
14. पियाजे का प्रारंभिक कार्य (1920-40 का दशक) - जीन पियाजे : इस अवधि के दौरान, पियाजे ने बाल

सभी विषयों की सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री किट उपलब्ध है।
प्रोफेसर अड्डा अभी व्हाट्सएप पर कॉल करें 7690022111 / 9216228788

भाषा, निर्णय और तर्क पर अपने प्रारंभिक प्रभावशाली कार्यों को प्रकाशित किया, जिसने संज्ञानात्मक विकास के उनके चरण सिद्धांत की नींव रखी।

15. **वायगोत्स्की का सामाजिक-सांस्कृतिक सिद्धांत** (1920-30 का दशक) - **लेव वायगोत्स्की** : वायगोत्स्की के कार्य (जैसे, विचार और भाषा, 1934) ने सीखने में सामाजिक संपर्क और संस्कृति की भूमिका पर जोर दिया, हालांकि यह पश्चिम में बहुत बाद में व्यापक रूप से जाना गया।
16. **भारतीय विश्वविद्यालय आयोग** (1902): लॉर्ड कर्जन द्वारा नियुक्त इस आयोग के परिणामस्वरूप 1904 में भारतीय विश्वविद्यालय अधिनियम पारित हुआ, जिससे विश्वविद्यालयों पर सरकारी नियंत्रण बढ़ गया।
17. **सैडलर आयोग (कलकत्ता विश्वविद्यालय आयोग)** (1917-19): एक महत्वपूर्ण आयोग जिसने स्कूल से विश्वविद्यालय स्तर तक शिक्षा की स्थिति की समीक्षा की और इंटरमीडिएट कॉलेजों के निर्माण की सिफारिश की।
18. **हार्टोग समिति** (1929): ब्रिटिश भारत में शिक्षा के विकास का सर्वेक्षण करने के लिए नियुक्त की गई, इसने प्राथमिक शिक्षा में "अपव्यय और ठहराव" के मुद्दों पर प्रकाश डाला।
19. **सार्जेंट रिपोर्ट (भारत में युद्धोत्तर शैक्षिक विकास)** (1944): एक व्यापक योजना जिसका उद्देश्य 40 वर्षों के भीतर भारत में इंग्लैंड के समान राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली बनाना था।
20. **राधाकृष्णन आयोग (विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग)** (1948-49): स्वतंत्र भारत का पहला शिक्षा आयोग, इसने विश्वविद्यालय शिक्षा के विकास के लिए महत्वपूर्ण सिफारिशें कीं।
21. **द ह्यूमन साइड ऑफ एंटरप्राइज** (**डगलस मैकग्रेगर**): यद्यपि यह पुस्तक 1960 में प्रकाशित हुई थी, मैकग्रेगर ने 1940 के दशक के अंत में अपने थ्योरी एक्स और थ्योरी वाई विचारों को विकसित करना शुरू कर दिया था।
22. **शिक्षा की प्रक्रिया** (**जेरोम ब्रूनर**): 1960 में प्रकाशित, लेकिन यह 1959 के वुड्स होल सम्मेलन पर आधारित था, जिसमें संज्ञानात्मक मनोविज्ञान आंदोलन का सारांश दिया गया था जो 1940 के दशक के अंत में विकसित होना शुरू हुआ था।
23. **कार्यक्रमबद्ध अनुदेशन** (1920 के दशक के बाद) - **सिडनी प्रेसी** : प्रेसी ने 1920 के दशक में पहली "शिक्षण मशीन" विकसित की, जो बाद में बी.एफ. स्किनर के कार्यक्रमबद्ध शिक्षण पर किए गए कार्य का अग्रदूत थी।
24. **द कंडक्ट ऑफ़ एन एपिसोड: ए फिक्शनलाइज्ड अकाउंट ऑफ़ ए स्टूडेंट-टीचिंग एक्सपीरियंस** (1949) - **राल्फ डब्ल्यू. टायलर** : हालांकि उनका प्रसिद्ध मॉडल बाद में आया, लेकिन यह शैक्षिक अनुभवों के विश्लेषण पर उनके शुरुआती फोकस को दर्शाता है।
25. **बुद्धि परीक्षण आंदोलन** (20वीं सदी के प्रारंभ में): बिने -साइमन पैमाने का अनुवाद और अनुकूलन अमेरिका में एचएच गोडार्ड द्वारा किया गया तथा लुईस टर्मन ने स्टैनफोर्ड- बिने आईक्यू परीक्षण (1916) विकसित किया।
26. **दर्शन के रूप में अनिवार्यता** (1930 का दशक) - **विलियम बैगले** : एक दर्शन जो 1930 के दशक में उभरा, जिसमें तर्क दिया गया कि शिक्षा को आवश्यक ज्ञान और कौशल के मूल पाठ्यक्रम को पढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।
27. **सामाजिक पुनर्निर्माणवाद** (1930 का दशक) - **जॉर्ज काउंट्स और थिओडोर ब्रामेल्ड** : एक दर्शन जो महामंदी के दौरान उभरा, जिसमें तर्क दिया गया कि शिक्षा को समाज के पुनर्निर्माण और सामाजिक समस्याओं को सुलझाने का एक उपकरण होना चाहिए।

सभी विषयों की सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री किट उपलब्ध है।
प्रोफेसर अड्डा अभी व्हाट्सएप पर कॉल करें 7690022111 / 9216228788

28. **क्या स्कूल एक नई सामाजिक व्यवस्था का निर्माण करने की हिम्मत करेगा?** (1932) - **जॉर्ज काउंट्स : सामाजिक** पुनर्निर्माणवाद का एक प्रमुख पाठ।
29. **वुडवर्थ पर्सनल डेटा शीट** (1919): रॉबर्ट एस. वुडवर्थ द्वारा विकसित, इसे पहला व्यक्तित्व परीक्षण माना जाता है, जो अमेरिकी सेना में भर्ती होने वाले जवानों में शेल शॉक की जांच के लिए बनाया गया था।
30. **द माइंड इन द मेकिंग** (1921) - **जेम्स हार्वे रॉबिन्सन** : "न्यू हिस्ट्री" आंदोलन की एक प्रमुख कृति जिसने प्रगतिशील शिक्षकों को यह तर्क देकर प्रभावित किया कि इतिहास का उपयोग वर्तमान समस्याओं को समझने के लिए किया जाना चाहिए।

सभी विषयों की सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री किट उपलब्ध है।
प्रोफेसर अड्डा अभी व्हाट्सएप पर कॉल करें 7690022111 / 9216228788

तालिका 1: इस अवधि के प्रमुख शैक्षिक विचारक

सोचने वाला	देश	मूल दर्शन	प्रमुख कार्य/योगदान (1900-1950 के बीच)
जॉन डूई	यूएसए	व्यवहारवाद / प्रगतिवाद	अनुभव, समस्या-समाधान और लोकतंत्र पर आधारित शिक्षा के पक्ष में तर्क दिया। डेमोक्रेसी एंड एजुकेशन (1916) और एक्सपीरियंस एंड एजुकेशन (1938) लिखीं।
महात्मा गांधी	भारत	सर्वोदय / आदर्शवाद	प्रस्तावित ' नई तालीम या बुनियादी शिक्षा (1937), एक आत्मनिर्भर शिक्षा जो सीखने को जीवन से जोड़ने के लिए एक उत्पादक शिल्प पर केंद्रित थी।
रवीन्द्रनाथ टैगोर	भारत	मानवतावाद / प्रकृतिवाद	प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करते हुए, पूर्वी और पश्चिमी विचारों के सम्मिश्रण के साथ समग्र शिक्षा के केंद्र के रूप में विश्वभारती (1921) की स्थापना की ।
मारिया मोंटेसरी	इटली	वैज्ञानिक शिक्षाशास्त्र	मोंटेसरी पद्धति विकसित की, जिसमें विशेष रूप से तैयार किए गए वातावरण में बच्चों के नेतृत्व वाली, स्व-निर्देशित गतिविधि पर जोर दिया गया। मोंटेसरी पद्धति (1912) लिखी।
श्री अरबिंदो	भारत	इंटीग्रल योग	मानव के सम्पूर्ण विकास (शारीरिक, प्राणिक, मानसिक, मानसिक, आध्यात्मिक) के लिए "एकात्म शिक्षा" के दर्शन को व्यक्त किया।

तालिका 2: शिक्षा में प्रमुख मनोवैज्ञानिक सिद्धांत

लिखित	प्रमुख प्रस्तावक	मूल विचार	शिक्षा में अनुप्रयोग
आचरण	जॉन बी. वॉटसन, ई.एल. थोर्नडाइक	सीखना उत्तेजना-प्रतिक्रिया संबंधों के कारण होने वाले अवलोकनीय व्यवहार में परिवर्तन है। मन एक "ब्लैक बॉक्स" है।	अभ्यास और अभ्यास (थोर्नडाइक का व्यायाम नियम), परीक्षण और त्रुटि से सीखना, पुरस्कार और दंड पर ध्यान केंद्रित करना।
मनोविश्लेषण	सिगमंड फ्रायड, अन्ना फ्रायड	अचेतन प्रेरणाएँ और बचपन के अनुभव व्यक्तित्व और व्यवहार को आकार देते हैं।	छात्र की चिंता, बचाव तंत्र और छात्र-शिक्षक संबंध के महत्व को समझना।
समष्टि मनोविज्ञान	मैक्स वर्थाइमर, वोल्फगैंग कोहलर	सीखना अंतर्दृष्टि और "संपूर्ण" पैटर्न को समझने से होता है, न कि केवल उसके भागों	समस्या-समाधान दृष्टिकोण, रटने की बजाय समस्या की संरचना को समझने पर जोर देता है।

		से।	
प्रारंभिक संज्ञानवाद (पियाजे)	जीन पिअगेट	बच्चा एक सक्रिय शिक्षार्थी है जो पर्यावरण के साथ अंतःक्रिया के माध्यम से ज्ञान का निर्माण करता है।	बाल-केंद्रित शिक्षा, विकासात्मक चरणों को समझने और उपयुक्त शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराने पर ध्यान केंद्रित करें।

तालिका 3: ब्रिटिश भारत में प्रमुख शिक्षा आयोग

आयोग / रिपोर्ट	वर्ष	अध्यक्ष / प्रमुख व्यक्ति	मुख्य अनुशंसाएँ
भारतीय विश्वविद्यालय अधिनियम	1904	लॉर्ड कर्जन	विश्वविद्यालयों पर सरकारी नियंत्रण में वृद्धि, महाविद्यालयों की संबद्धता के लिए कठोर शर्तें, अनुसंधान पर जोर।
सैडलर आयोग	1917-19	माइकल सैडलर	10+2+3 संरचना और कम केंद्रीकृत विश्वविद्यालय प्रणाली बनाने के लिए इंटरमीडिएट कक्षाओं को विश्वविद्यालयों से अलग करने का प्रस्ताव रखा गया।
हार्टोग समिति	1929	सर फिलिप हार्टोग	प्राथमिक शिक्षा में "अपव्यय और ठहराव" की समस्या पर प्रकाश डाला गया तथा विस्तार की बजाय समेकन की सिफारिश की गई।
सार्जेंट रिपोर्ट	1944	सर जॉन सार्जेंट	राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली के लिए एक व्यापक योजना, जिसमें सार्वभौमिक निःशुल्क प्राथमिक शिक्षा और कार्यान्वयन के लिए 40 वर्ष की समय-सीमा शामिल होगी।
राधाकृष्णन आयोग	1948-49	डॉ. एस. राधाकृष्णन	स्वतंत्र भारत के प्रथम आयोग ने यूजीसी की स्थापना, विश्वविद्यालय स्वायत्तता को मजबूत करने तथा शिक्षकों के वेतन में सुधार की सिफारिश की थी।

तालिका 4: प्रतिस्पर्धी शैक्षिक दर्शन

दर्शन	मुख्य शैक्षिक उद्देश्य	शिक्षार्थी का दृष्टिकोण	शिक्षक की भूमिका
प्रगतिवाद (जॉन डेवी)	समस्या समाधान और वैज्ञानिक जांच के माध्यम से लोकतांत्रिक समाज में सक्रिय भागीदारी के लिए बच्चों को शिक्षित करना।	एक सक्रिय जीव जो कार्य करके और पर्यावरण के साथ अंतःक्रिया करके सीखता है।	एक सुगमकर्ता या मार्गदर्शक जो छात्रों को समस्याओं का पता लगाने और उन्हें हल करने में मदद करता है।
एसेन्शियलिज़्म	अतीत से आवश्यक ज्ञान	एक शिक्षार्थी जिसे मौलिक	एक अधिकारी व्यक्ति जो

(विलियम बैगली)	और कौशल का मूल ढांचा वर्तमान पीढ़ी तक पहुंचाना।	विषयों के संरचित पाठ्यक्रम में निपुणता प्राप्त करने की आवश्यकता है।	ज्ञान प्रदान करता है और अनुशासन बनाए रखता है।
सामाजिक पुनर्निर्माणवाद (जॉर्ज काउंट्स)	सामाजिक समस्याओं को सुलझाने के लिए शिक्षा को एक उपकरण के रूप में उपयोग करना तथा अधिक न्यायपूर्ण एवं समतापूर्ण सामाजिक व्यवस्था बनाने के लिए समाज का पुनर्निर्माण करना।	सामाजिक परिवर्तन का एक एजेंट.	एक परिवर्तन एजेंट जो छात्रों को सामाजिक समस्याओं के प्रति जागरूक बनाता है और उन्हें कार्य करने के लिए सशक्त बनाता है।

UGC NET शिक्षाशास्त्र UNIT WISE ट्रेंड विश्लेषण

यह विश्लेषण UGC NET शिक्षाशास्त्र पाठ्यक्रम पर आधारित है। यह संभावित प्रश्न प्रकारों और शिक्षा के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्रों का एक अनुमानित ढांचा प्रदान करता है, जिसका उद्देश्य आपकी तैयारी की रणनीति बनाने में आपकी मदद करना है।

1. प्रश्न प्रकारों में संतुलन:

इतिहास PYQ विश्लेषण के समान, UGC NET शिक्षा परीक्षा में विभिन्न प्रकार के प्रश्नों का संतुलन होने की संभावना है। प्रमुख प्रश्न प्रकारों में निम्न शामिल हो सकते हैं:

- **तथ्यात्मक पहचान:** शैक्षिक विचारकों, सिद्धांतों, अवधारणाओं, मॉडलों, समितियों/आयोगों, नीतियों, अधिनियमों, शोध विधियों, सांख्यिकीय तकनीकों और शिक्षा में प्रमुख शब्दों की प्रत्यक्ष पहचान पर आधारित प्रश्न। (उदाहरण: मल्टीपल इंटेलिजेंस का सिद्धांत किसने प्रस्तावित किया? किस समिति ने त्रि-भाषा सूत्र की सिफारिश की? NAAC का पूर्ण रूप क्या है?)
- **कालानुक्रमिक क्रम:** शैक्षिक समितियों/आयोगों, नीतियों, अधिनियमों, शिक्षा के इतिहास में महत्वपूर्ण घटनाओं या शैक्षिक सिद्धांतों/आंदोलनों के विकास को उनके कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित करने की आवश्यकता वाले प्रश्न। यह शैक्षिक विचार और अभ्यास के ऐतिहासिक विकास की समझ का परीक्षण करता है।
- **मिलान:** विचारकों को उनके दर्शन/सिद्धांतों से, समितियों/आयोगों को उनकी सिफारिशों से, नीतियों/अधिनियमों को उनके प्रावधानों से, अनुसंधान विधियों को उनकी विशेषताओं से, सांख्यिकीय तकनीकों को उनके अनुप्रयोगों से, या अवधारणाओं को उनकी परिभाषाओं से मिलान करने वाले प्रश्न।
- **अभिकथन और कारण:** शैक्षिक कथन, विशिष्ट सिद्धांत, शैक्षणिक दृष्टिकोण, नीति निहितार्थ या शोध निष्कर्ष और इसके अंतर्निहित कारण/तर्क के बीच संबंध का मूल्यांकन करने वाले प्रश्न।

PROFESSORS ADDA

(उदाहरण: अभिकथन (A): समावेशी शिक्षा सभी छात्रों के लिए लाभदायक है। कारण (R): यह सामाजिक समझ और विविध शिक्षण अनुभवों को बढ़ावा देती है।)

- **स्रोत-आधारित प्रश्न:** शैक्षिक रिपोर्टों (जैसे कोठारी आयोग, एनपीई), शैक्षिक विचारकों के लेखन, शोध सारांश, या शैक्षिक प्रथाओं से संबंधित केस अध्ययनों के अंशों पर आधारित प्रश्न, स्रोत सामग्री की समझ, व्याख्या, विश्लेषण और आलोचनात्मक मूल्यांकन का परीक्षण करते हैं।
- **संकल्पनात्मक समझ:** प्रमुख शैक्षिक अवधारणाओं, सिद्धांतों, दर्शन, समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण, मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों, पाठ्यक्रम मॉडल, अनुसंधान प्रतिमानों और प्रबंधन/नेतृत्व शैलियों की समझ का परीक्षण करने वाले प्रश्न।
- **एकाधिक सही कथन:** किसी शैक्षिक अवधारणा, नीति, सिद्धांत, शोध पद्धति या किसी विशिष्ट कार्यक्रम के बारे में कई कथन प्रस्तुत करने वाले प्रश्न, जिनमें सही या गलत कथनों के समूह की पहचान की आवश्यकता होती है। ये विस्तृत और सूक्ष्म ज्ञान का परीक्षण करते हैं।
- **गद्यांश-आधारित प्रश्न:** किसी शैक्षिक पाठ्य, शोध पत्र या शैक्षिक मुद्दे पर चर्चा के किसी गद्यांश पर आधारित प्रश्न, जो पाठ्य की समझ, व्याख्या, विश्लेषण और आलोचनात्मक मूल्यांकन का परीक्षण करते हैं।

2. कठिनाई स्तर और कौशल परीक्षण:

इस परीक्षा से न केवल तथ्यात्मक स्मरण का परीक्षण होगा, बल्कि शैक्षिक अवधारणाओं और सिद्धांतों की गहरी समझ, सिद्धांतों को व्यावहारिक स्थितियों में लागू करने की क्षमता, शैक्षिक नीतियों और प्रथाओं का विश्लेषण, शोध निष्कर्षों की व्याख्या, तथा शिक्षा में विभिन्न दृष्टिकोणों का आलोचनात्मक मूल्यांकन करने की क्षमता का भी परीक्षण होगा।

- कालानुक्रमिक और मिलान प्रश्नों के लिए शिक्षा के इतिहास और परिदृश्य के बारे में व्यापक और सटीक तथ्यात्मक ज्ञान की आवश्यकता होती है।
- अभिकथन-कारण और स्रोत-आधारित प्रश्नों के लिए विश्लेषणात्मक, व्याख्यात्मक और आलोचनात्मक चिंतन कौशल की आवश्यकता होती है।
- शिक्षार्थी और सीखने की प्रक्रिया, शिक्षा में अनुसंधान, शिक्षणशास्त्र/ मानवशास्त्र /मूल्यांकन, और शिक्षा में प्रौद्योगिकी पर प्रश्न वैचारिक स्पष्टता और सैद्धांतिक ज्ञान को लागू करने की क्षमता का परीक्षण करते हैं।

PROFESSORS ADDA

3. नवीनतम रुझान:

पाठ्यक्रम की संरचना और शिक्षा के क्षेत्र में सामान्य प्रवृत्तियों के आधार पर, निम्नलिखित क्षेत्रों पर विशेष जोर दिया जा सकता है:

- प्रत्येक इकाई में विशिष्ट विचारकों, सिद्धांतों और अवधारणाओं से संबंधित गहन प्रश्न, जिनका विस्तार से उल्लेख किया गया है।
- शिक्षा में अनुसंधान (इकाई VI) से संकल्पनात्मक और अनुप्रयोग-आधारित प्रश्न, जिसमें मात्रात्मक और गुणात्मक अनुसंधान डिजाइन और डेटा विश्लेषण तकनीक शामिल हैं।
- शिक्षा में समसामयिक मुद्दों पर अधिक ध्यान दिया जाएगा, जैसे समावेशी शिक्षा (यूनिट X), शिक्षा में प्रौद्योगिकी (यूनिट VIII), और शिक्षा में गुणवत्ता (यूनिट IX)।
- यूनिट II में उल्लिखित हालिया नीतियों, समितियों और रिपोर्टों से संबंधित प्रश्न।
- प्रमुख शैक्षिक रिपोर्टों या प्रमुख विचारकों के लेखों से स्रोत-आधारित प्रश्न।
- शिक्षा और समाज, राजनीति और अर्थशास्त्र के बीच संबंधों की समझ का परीक्षण करने वाले प्रश्न (इकाइयाँ I और II)।

4. विषय वस्तु फोकस और महत्व:

पाठ्यक्रम को 10 इकाइयों में विभाजित किया गया है, जिनमें से प्रत्येक का अपना विशिष्ट महत्व और फोकस क्षेत्र है:

इकाई 1: शैक्षिक अध्ययन

- **महत्व:** शिक्षा के दार्शनिक, समाजशास्त्रीय और सांस्कृतिक आधारों की आधारभूत समझ प्रदान करता है।
- **संभावित फोकस:** शिक्षा में भारतीय और पश्चिमी दर्शन स्कूलों का योगदान, शिक्षा के समाजशास्त्र के दृष्टिकोण (प्रतीकात्मक अंतःक्रिया, संरचनात्मक कार्यात्मकता, संघर्ष सिद्धांत), सामाजिक संस्थाएं, सामाजिक आंदोलन, समाजीकरण, शिक्षा और संस्कृति, सामाजिक परिवर्तन के लिए शैक्षिक चिंतन में प्रमुख विचारकों (भारतीय और पश्चिमी) का योगदान, शिक्षा के संदर्भ में भारतीय संविधान में निहित राष्ट्रीय मूल्य।

PROFESSORS ADDA

TESTIMONIALS

Nikita Sharma
UGC NET (PAPER 1)
Delhi

"The premium course by Professors Adda gave me everything in one place – structured notes, MCQ banks, PYQs, and trend analysis. The way it was aligned with the syllabus helped me stay organized and confident."

Ravindra Yadav
UGC NET (Commerce)
Jaipur

"Joining the premium group was the best decision I made. The daily quiz challenges, mentor guidance, and focused discussions kept me disciplined and exam-ready."

Priya Mehta
UGC NET (Education)
Banglore

"Professors Adda's study course is like a personal roadmap to success. The live sessions and targeted revision plans were crucial in helping me clear my exam on the first attempt."

Swati Verma
UGC NET (English Literature)
Kolkata

"What makes the Professors Adda premium course unique is the combination of high-quality content and a dedicated support group. It kept me motivated and accountable throughout."

Aman Joshi
UGC NET (Sociology)
Prajagraj

"The premium group gave me access to serious aspirants and mentors who guided me every step of the way. The peer learning, doubt sessions, and motivation from the group were unmatched."

Riya Sharma
UGC NET (Psychology)
Hyderabad

"What really kept me going was the constant encouragement from Professors Adda's mentors. Their support helped me stay motivated even when I felt overwhelmed by the syllabus."

Anjali Singh
UGC NET (Political Science)
Indore

"Professors Adda taught me that smart preparation is as important as hard work. Their strategic study plans and motivational talks made all the difference in my success."

Aditya Verma
UGC NET (History)
Guwahati

"The institute not only provides excellent study resources but also builds your confidence. The motivational sessions helped me overcome exam anxiety and keep a positive mindset."

*IMAGES ARE IMAGINARY

+91 7690022111+91 9216228788

PROFESSORS ADDA

Trusted By Toppers

GET BEST SELLER HARD COPY NOTES

PROFESSORS ADDA

CLICK HERE TO GET

+91 7690022111 +91 9216228788

PROFESSORS ADDA

Trusted By Toppers

Our Toppers

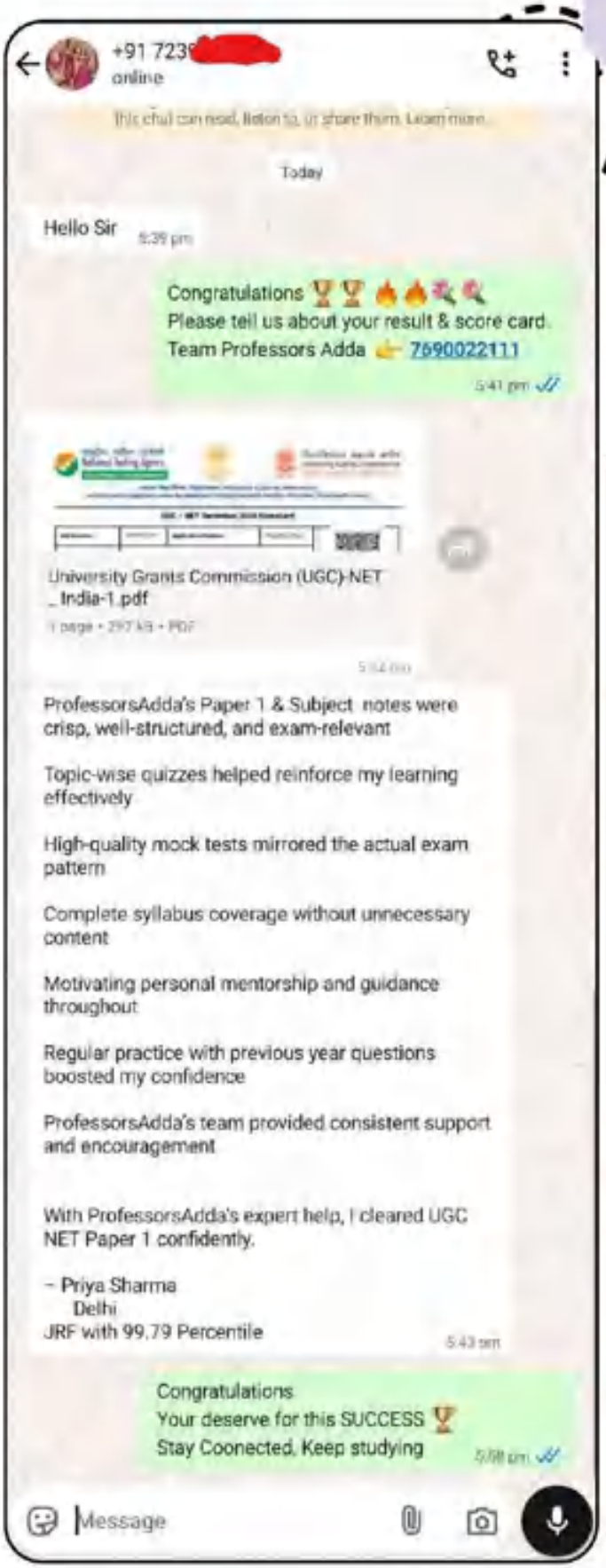

📞 +91 7690022111 +91 9216228788

TESTIMONIALS

Nikita Sharma
UGC NET (PAPER 1)
Delhi

"The premium course by Professors Adda gave me everything in one place – structured notes, MCQ banks, PYQs, and trend analysis. The way it was aligned with the syllabus helped me stay organized and confident."

Ravindra Yadav
UGC NET (PAPER 1)
Jaipur

"Joining the premium group was the best decision I made. The daily quiz challenges, mentor guidance, and focused discussions kept me disciplined and exam-ready."

Priya Mehta
UGC NET (PAPER 1)
Banglore

"Professors Adda's study course is like a personal roadmap to success. The live sessions and targeted revision plans were crucial in helping me clear my exam on the first attempt."

Swati Verma
UGC NET (PAPER 1)
Kolkata

"What makes the Professors Adda premium course unique is the combination of high-quality content and a dedicated support group. It kept me motivated and accountable throughout."

Aman Joshi
UGC NET (PAPER 1)
Prajagraj

"The premium group gave me access to serious aspirants and mentors who guided me every step of the way. The peer learning, doubt sessions, and motivation from the group were unmatched."

Riya Sharma
UGC NET (PAPER 1)
Hyderabad

"What really kept me going was the constant encouragement from Professors Adda's mentors. Their support helped me stay motivated even when I felt overwhelmed by the syllabus."

Anjali Singh
UGC NET (PAPER 1)
Indore

"Professors Adda taught me that smart preparation is as important as hard work. Their strategic study plans and motivational talks made all the difference in my success."

Aditya Verma
UGC NET (PAPER 1)
Guwahati

"The institute not only provides excellent study resources but also builds your confidence. The motivational sessions helped me overcome exam anxiety and keep a positive mindset."

*IMAGES ARE IMAGINARY

+91 7690022111+91 9216228788

PROFESSORS ADDA

Trusted By Toppers

Our Toppers

+91 7690022111+91 9216228788

PROFESSORS ADDA
Trusted By Toppers

Professors Adda UGC NE
87162 members, 2123 online

Pinned Message
Offer 💐 UGC –NET / JRF ASST PROFESSO...

2478 join requests

ProfessorsAdda NET JRF

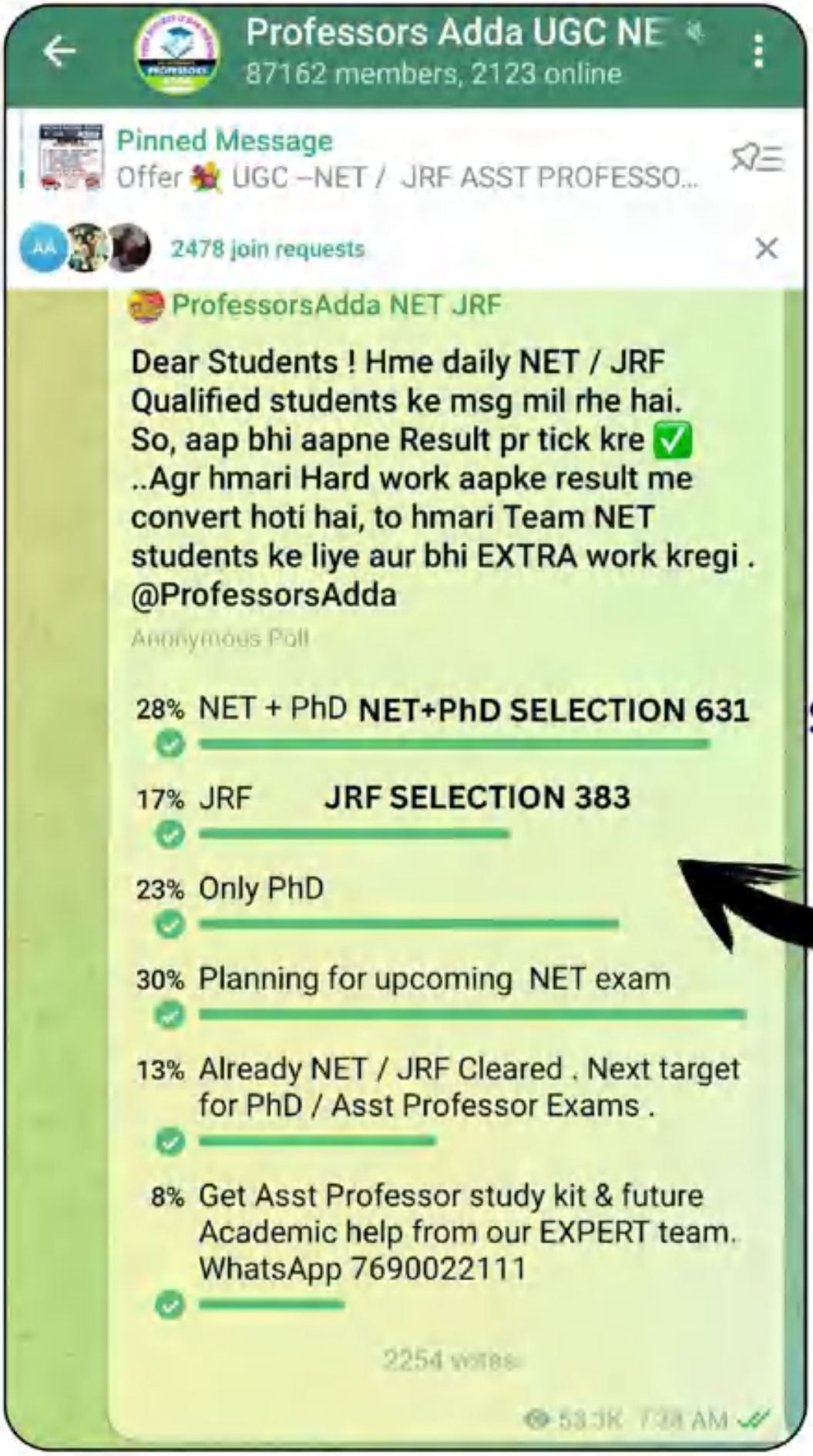

Dear Students ! Hme daily NET / JRF Qualified students ke msg mil rhe hai. So, aap bhi aapne Result pr tick kre ✅ ..Agr hmari Hard work aapke result me convert hoti hai, to hmari Team NET students ke liye aur bhi EXTRA work kregi . @ProfessorsAdda

Anonymous Poll

28% NET + PhD **NET+PhD SELECTION 631**

17% JRF **JRF SELECTION 383**

23% Only PhD

30% Planning for upcoming NET exam

13% Already NET / JRF Cleared . Next target for PhD / Asst Professor Exams .

8% Get Asst Professor study kit & future Academic help from our EXPERT team. WhatsApp 7690022111

2254 votes

OUR UGC NET SELECTION RESULTS

+91 7690022111 +91 9216228788

PROFESSORS ADDA
Trusted By Toppers

Exclusive English GROUP

INDIA'S NO 1 UGC NET GROUP

CLICK HERE TO JOIN

+91 7690022111 +91 9216228788

PROFESSORS ADDA

Trusted By Toppers

OUR UGC NET SELECTION RESULTS

MANY MORE SELECTION

+91 7690022111+91 9216228788

PROFESSORS ADDA

Trusted By Toppers

BOOK YOUR HARD COPY
COMPLETE STUDY PACKAGE

Hurry! Limited copies remaining—get yours before they're gone.

- 10 Unit Theory Notes
- Unit Wise MCQ Bank
- Latest 10 YEAR PYQ
- Model Papers
- One Liner Quick Revision Notes
- Premium Group Membership

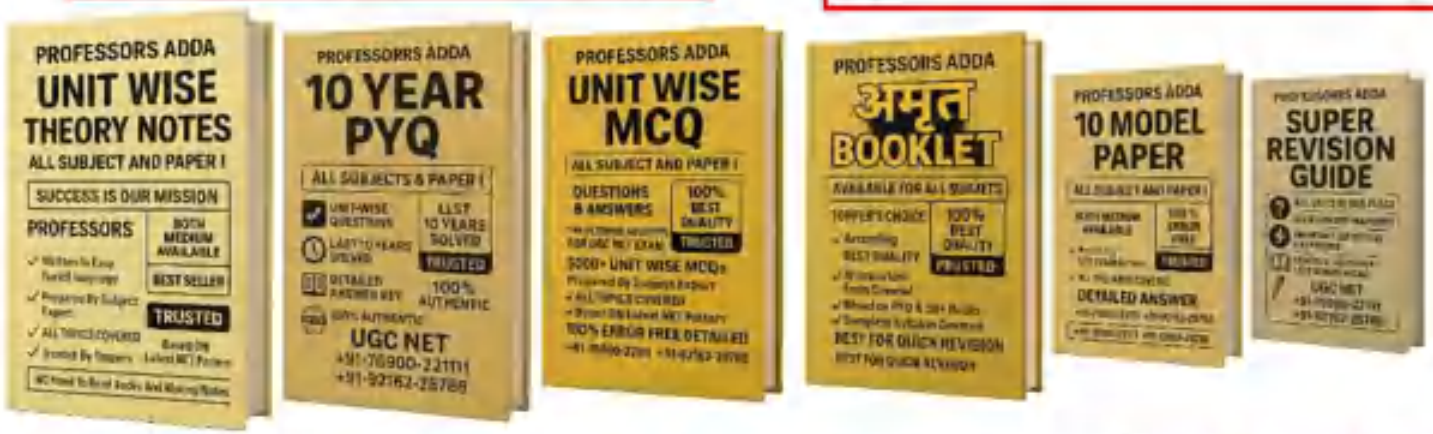

FREE sample Notes/
Expert Guidance /Courier Facility Available

Download PROFESSORS ADDA APP

91-76900-22111

PROFESSORS ADDA

Trusted By Toppers

BOOK YOUR HARD COPY
COMPLETE STUDY PACKAGE

Hurry! Limited copies remaining—get yours before they're gone.

NEW PRODUCT

- 10 Unit Theory Notes
- Unit Wise MCQ Bank
- Latest PYQ
- Model Papers
- One Liner Quick Revision Notes
- Premium Group Membership

FREE sample Notes/
Expert Guidance /Courier Facility Available

Download PROFESSORS ADDA APP

91-76900-22111

OUR ALL PRODUCTS

NEW PRODUCT

CLICK HERE

NEW PRODUCT

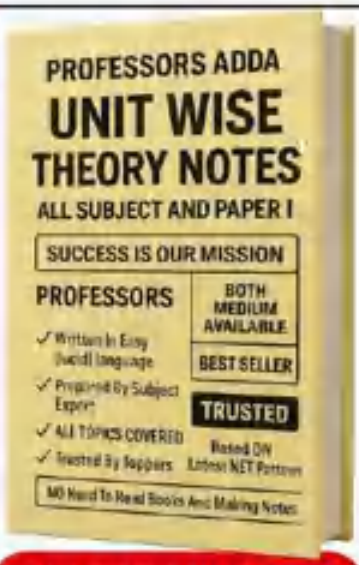

CLICK HERE

NEW PRODUCT

CLICK HERE

NEW PRODUCT

CLICK HERE

NEW PRODUCT

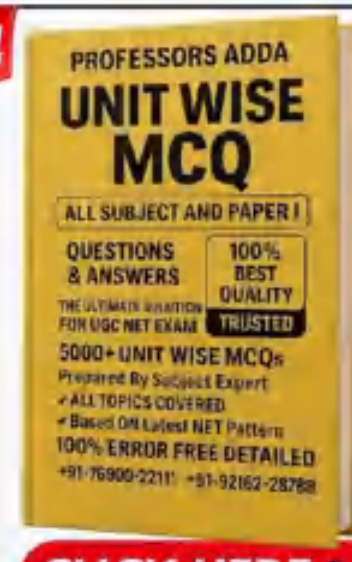

CLICK HERE

NEW PRODUCT

CLICK HERE

+91 7690022111+91 9216228788